राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 04 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–372 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिटफंड कंपनी मेसर्स साई प्रसाद फूड लिमिटेड कंपनी की संपत्ति कुर्क

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कोरबा, कोरबा जिला कलेक्टर श्रीमती रानू साहू के द्वारा जिले के चिटफंड पीड़ितो को राहत दिलाने के लिए चिटफंड कंपनी पर कार्यवाही की गई है। मेसर्स साई प्रसाद फूड्स लिमिटेड कंपनी के टी.पी. नगर कोरबा में स्थिति परिसंपत्तियों को कुर्क किया गया है। कुर्क किए गए संपत्ति को नीलाम किया जाएगी। नीलामी से प्राप्त राशि को कंपनी में निवेश किए गए निवेशको को लौटाई जाएगी। कंपनी का साई वंदा कॉम्पलेक्स विजया टॉकिज के पास टी.पी. नगर में पटवारी हल्का नं=16 के अंतर्गत खसरा नं. 188/1/क/1 भूखंड क्रमांक 177 में दो मंजिला भवन है। यह संपत्ति 40 बाई 60 कुल 2400 वर्गफुट में फैला हुआ है। यह पूरी संपत्ति नीलाम की जाएगी। संपत्ति की ऑफसेट मूल्य सरकारी कीमत पर एक करोड़ 33 लाख 91 हजार 355 रूपये है। नीलामी की कार्रवाई 12 फरवरी 2022 को तहसील कार्यालय कोरबा में की जाएगी। इच्छुक खरीदारों को 11 फरवरी शाम 5:30 बजे तक अमानत राशि के रूप में ऑफसेट मूल्य का दस प्रतिशत 13 लाख 39 हजार 135 रूपये एफ. डी.आर. या डिमांड ड्राफ्ट ''कलेक्टर कोरबा'' के नाम से तहसील कार्यालय कोरबा में जमा करना होगा।

मेसर्स साई प्रसाद फूड्स लिमिटेड कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक गुरूशरण सिंह के विरूद्ध थाना बालको नगर मे लोगों को झांसा देकर अपनी कंपनी में निवेश करने के लिए अवैध रूप से पैसा जमा करवाने का अपराध पंजीबद्ध है। न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार गुरूशरण सिंह को भारतीय दंड विधान के विभिन्न धाराओं, ईनामी चिटफंड धन परिचालन अधिनियम 1978 एवं छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितो के संरक्षण अधिनियम 2005 के तहत आरोपी घोषित किया गया है।

***एक करोड़ 33 लाख रूपये कीमत की 2400 वर्गफूट संपत्ति की होगी नीलामी**

***नीलामी से प्राप्त राशि निवेशकों को लौटाई जाएगी**

3 वर्ष पुराना मामला : लीगल ऑफिसर के अभिमत के बाद भी सूचना आयोग नहीं कर रहा वर्चुअल सुनवाई।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

****वर्चुअल सुनवाई को लेकर रिट याचिका की सुनवाई 14 को।**

****छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में हो सकता है बड़ा फैसला...**

चिरमिरी। सूचना के अधिकार में सूचना आयोग द्वारा द्वितीय अपील और शिकायत प्रकरणों की सुनवाई वर्चुअल मोड से करने को लेकर लगी एक रिट याचिका में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट 14 फरवरी को अहम फैसला करेगा। याचिकाकर्ता ने रिट याचिका लगाकर सूचना आयोग द्वारा वर्चुअल मोड से सुनवाई करने की मांग की है। मामले में हाई कोर्ट क्या फैसला देता है यह 14 को पता चलेगा।

दरअसल यह मामला करीब 3 वर्ष पुराना है जिसमें चिरिमीरी निवासी आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने राज्य सूचना आयोग को वर्ष 2018 में पत्र लिखकर द्वितीय अपील और शिकायत प्रकरणों की सुनवाई वर्चुअल मोड से किए जाने की मांग की थी। मामले में आयोग ने सूचना आयुक्तों की बैठक में उक्त बात को रखा था। बैठक में हुए निर्णय के बाद उक्त प्रस्ताव को राज्य के किसी एक जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरूकरने को लेकर आयोग के लीगल डिपार्टमेंट को भेजा जिसके बाद लीगल ऑफिसर ने अपना अभिमत देते हुए राज्य के महासमुंद और रायगढ़ जिले में वर्चुअल सुनवाई शुरू करने की बात कही थी। वर्ष 2018 में आयोग के लीगल ऑफिसर द्वारा अपना अभिमत देने के 1 साल बाद भी आयोग द्वारा वर्चुअल सुनवाई शुरू नहीं की गई। तब आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा ने मामले को लेकर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में रिट याचिका लगाई। वर्ष 2019 में लगी रिट याचिका अब तक पेंडिंग थी पर 14 फरवरी के दिन मामले में सुनवाई निश्चित की गई है। मामले में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट क्या निर्णय देता है यह काफी रोचक होगा।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरूहोनी थी वर्चुअल सुनवाई

सूचना आयोग ने सूचना आयुक्तों की बैठक में वर्चुअल मोड से सुनवाई के प्रस्ताव को रखा था।

बैठक में हुए निर्णय के बाद उक्त प्रस्ताव को राज्य के किसी एक जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने को लेकर आयोग के लीगल डिपार्टमेंट को भेजा जिसके बाद लीगल ऑफिसर ने अपना अभिमत देते हुए राज्य के महासमुंद और रायगढ़ जिले में वर्चुअल सुनवाई शुरूकरने की बात कही थी।

द्वितीय अपील और शिकायत प्रकरणों की सुनवाई के लिए करना होता है 100 किलोमीटर का सफर

बता दें कि, राज्य सूचना आयोग में लगे द्वितीय अपील की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के कलेक्ट्रेट में होती है। जिसमें सुनवाई के लिए अपील करता को स्वयं उपस्थित होना पड़ता है। ऐसे में जिले के दूरदराज के क्षेत्र से लोगों को 100 से 170 किलोमीटर का भी सफर करके जिला कलेक्ट्रेट पहुंचना पड़ता है। वर्चुअल सुनवाई शुरूहो जाने से लोगों को घर बैठे ही सुनवाई का लाभ मिलने लगेगा।

सूचना आयोग वर्चुअल सुनवाई करना ही नहीं चाहता : राजकुमार मिश्रा।

बात सुप्रीम कोर्ट की हो या छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सभी जगहों पर वर्चुअल मोड से सुनवाई की जा रही है। वर्चुअल मोड से सुनवाई किए जाने से लोगों के समय ऊर्जा और धन की बचत होती है। मेरे द्वारा करीब ४ वर्ष पूर्व से ही आयोग से वर्चुअल सुनवाई को लेकर मांग की जाती रही है। जहां आयोग के लीगल ऑफिसर द्वारा अभिमत देने के बावजूद भी राज्य के २ जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आज तक वर्चुअल सुनवाई शुरू नहीं की जा सकी है। इसका मतलब यही है कि आयोग वर्चुअल सुनवाई करना ही नहीं चाहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बजट और प्रधानमंत्री

बेरोजगारी को दूर करने की संभावनाओं से लेकर 80 लाख बेघरों को पक्का मकान उपलब्ध कराने तक अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार किए गए बजट के बारे में देश को बताने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास बहुत कुछ था। इसलिए बुधवार को जब उन्होंने बजट के बारे में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया, तो एक दिन पहले लोकसभा में सदन के पटल पर रखी गई योजनाओं का सिर्फ ब्योरा ही नहीं दिया, बल्कि वह उन्हें एक परिप्रेक्ष्य में रखते हुए भी दिखाई दिए। इस मौके पर प्रधानमंत्री बजट की व्याख्या ही नहीं कर रहे थे, बल्कि उन्होंने एक नई परंपरा की नींव भी रख दी। अभी तक की जो परंपरा थी, उसमें सालाना बजट के बारे में देश से संवाद करने का जिम्मा पूरी तरह से वित्त मंत्री का रहता था। बजट के बारे में अक्सर प्रधानमंत्री एक छोटा-सा व्यक्तव्य दे देते थे, जो उन्होंने कल दे भी दिया था। बाकी का काम वित्त मंत्री, मंत्रालय से संबद्ध अन्य मंत्री, मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त सचिव, राजस्व सचिव वगैरह को करना होता था। बजट के प्रावधानों की व्याख्या करना, उनकी जरूरत को बताना और उनके बारे में पैदा हो रही भ्रांतियों को दूर करना, यह काम एक्सपर्ट पैनल ही कर सकता है। इन सब ने कल एक लंबी चली प्रेस कांफ्रेंस में यह किया भी। लेकिन प्रधानमंत्री इस संवाद को एक कदम आगे ले गए। हालांकि, इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा ने किया था, पर इसके प्रसारण को पूरे देश ने देखा और प्रधानमंत्री की नजर से बहुत सी चीजों को समझा। मुमकिन है, कई तरह से उन्हें यह जरूरी भी लगा हो। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया था, उसके बारे में ज्यादातर विशेषज्ञों की राय यही थी कि यह किसी भी तरह से चुनावी या लोक-लुभावन बजट नहीं है। कुछ ने तो इसे 'नो-नॉनसेंस' बजट भी कहा। आम धारणा यही है कि जो बजट लोक-लुभावन नहीं होते, उनके फायदों को लोगों को समझाना टेढ़ी खीर होता है। यह भी कहा जाता है कि ऐसे बजट तार्किक रूप से भले मजबूत होते हों, पर राजनीतिक रूप से ज्यादा फायदा पहुंचाने वाले नहीं होते, क्योंकि उसका मर्म लोगों तक ठीक से नहीं पहुंच पाता। जाहिर है, इस बजट के बारे में यह चिंता भारतीय जनता पार्टी को भी रही होगी, शायद इसीलिए उसने इसका जिम्मा अपने सबसे कुशल कम्युनिकेटर और जनता से सबसे अच्छी तरह संवाद करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को दिया। बुधवार को बजट पर दिया गया उनका यह संबोधन बताता है कि इस काम में प्रधानमंत्री पूरी तरह कामयाब भी रहे। बेशक! एक बात यह भी कही जाएगी कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, वहां यह संबोधन प्रचार का काम भी करेगा। इसके लिए भाजपा ने जो आयोजन किया, वह यह भी बताता है कि बजट जैसी जरूरी सरकारी कवायद को लेकर पार्टी कितनी गंभीर है। हालांकि, किसी भी सरकार की असल परीक्षा बजट पेश करने के बाद शुरू होती है। इसके प्रावधानों को नीचे आम लोगों तक पहुंचाना बजट बनाने के मुकाबले कहीं ज्यादा मुश्किल होता है। बजट के प्रावधान सरकार की सोच को बताते हैं, जबकि उसे लागू करना सरकार की प्रशासनिक क्षमताओं को। यह दूसरी चुनौती अब और भी बड़ी हो गई है, खासकर जब खुद प्रधानमंत्री ने देश से इसका वादा किया है।

विश्व कैंसर दिवस

हर वर्ष 04 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है. एक अनुमान के मुताबिक 2005 में 7.6 लाख लोग कैंसर से मौत के आगोश में समा गए थे. इतनी बड़ी संख्या में लोगों के मरने से और विश्व स्तर पर इस बीमारी के फैलने से सब चिंतित हैं. इसी कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस की तरह मनाने का निर्णय लिया ताकि इस भयानक बीमारी के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाई जा सके. विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत विश्व में कैंसर के प्रति जागरुकता और इसके बचाव के तरीकों के बारें में अधिक से अधिक लोगों को परिचित कराने के लिए हुई थी.

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

आयुर्वेद में कैंसर को कर्कट रोग या अर्बुद कहते हैं .

गात्रप्रदेशे क्वचिदेव दोषाः सम्मूर्च्छिता मांस मम्रक प्रदूषय.

वृत्तम स्थिरं मंदरुजम महंतामनल्पमूलम चिर्वर्धयतापाकम .

कुर्वन्ति मांसोच्छ्यमत्यगाधं तद्बुरदं शास्त्रविदो वदन्ति .

वातेन पित्तेन कफेन चापि रक्तेन मांसेन च मेदसा वा .

तज्जायाते तस्य च लक्षाणि ग्रन्थैःसमाननी सदा भवन्ति .(सुश्रुत निदान 11/18-19)

शरीर के किसी भाग में बढे हुए दोष मांस तथा रक्त को दूषित करके गोल ,निश्छल ,अल्प-पीड़ा वाले बड़े ,गहरे ,देर से बढ़ने और पकने वाले मांसपिंड के समान उन्नत सूजन को उतपन्न कर देते हैं विद्वान् उसे अर्बुद कहते हैं .यह अर्बुद वाटिक,पैत्तिक ,श्लेष्मिक ,रक्तज ,मांसज तथा मेदोज़ भेद से छह प्रकार का होता हैं ,उसके लक्षण ग्रंथि के समान होते हैं . आज चाहे हम कितने भी आधुनिक हो गए हो या हम उन्नति के रथ पर सवार हो लेकिन सच तो यह है कि आज भी कई ऐसी चीजें हैं जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं और इन्हीं में से एक है कैंसर. आज कैंसर को लाइलाज कहना तो गलत है लेकिन कैंसर से होने वाला नुकसान कई बार आम आदमी की जिंदगी खत्म कर देता है. हर वर्ष 04 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है. एक अनुमान के मुताबिक 2005 में 7.6 लाख लोग कैंसर से मौत के आगोश में समा गए थे. इतनी बड़ी संख्या में लोगों के मरने से और विश्व स्तर पर इस बीमारी के फैलने से सब चिंतित हैं. इसी कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस की तरह मनाने का निर्णय लिया ताकि इस भयानक बीमारी के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाई जा सके. विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत विश्व में कैंसर के प्रति जागरुकता और इसके बचाव के तरीकों के बारें में अधिक से अधिक लोगों को परिचित कराने के लिए हुई थी. साल 2006 में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया गया था.इसी कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस की तरह मनाने का निर्णय लिया ताकि इस भयानक बीमारी के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाई जा सके. विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत विश्व में कैंसर के प्रति जागरुकता और इसके बचाव के तरीकों के बारें में अधिक से अधिक लोगों को परिचित कराने के लिए हुई थी. कैंसर आज दुनिया में एक ऐसी बीमारी बन चुकी है जिसका नाम सुनते ही कई लोगों के पैरों तले जमीन खिसक जाती है. जानकार मानते हैं कि कैंसर लाइलाज नहीं है बस जरूरत है इसका सही समय पर पता चलने की और सही इलाज की. एक आम आदमी के लिए यह जरूर एक लाइलाज बीमारी हो सकती है लेकिन इसका महंगा इलाज इसे अमीर लोगों के लिए साध्य बनाता है. यह समाज के लिए बहुत बुरा हैकि कैंसर जैसे रोग भी अमीर और गरीब के बीच अंतर देखते हैं.

कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी पूरे विश्व में समस्या का विषय है और इस बीमारी का इलाज पता करने की जिम्मेदारी न केवल डॉक्टरों व वैज्ञानिकों की है बल्कि हममें से हर किसी की है.

कैंसर के लक्षण

आमतौर पर शरीर के किसी भी भाग पर ऊतकों में असामान्य रूप से गांठ बनना या उभार आना कैंसर हो सकता है.कोशिकाओं का असामान्य तौर पर वृद्धि करना और अनियंत्रित रूप से विभाजित होने से कैंसर होता है.कैंसर के किसी भी लक्षण के दिखने पर उसकी जांच तुरंत करवाए जाने की ज़रूरत है और कैंसर के लक्षणों को भी आसानी से पहचाना जा सकता है.

कैंसर का इलाज

कैंसर का पता बायोप्सी नामक टेस्ट से चलता है. इसके बाद कैंसर का पता लगाने के बाद जो इलाज किया जाता है, उसमें कीमोथेरेपी प्रमुख है. कीमोथेरेपी कैंसर के असर को कम करने के लिए दी जाती है. उदाहरण के लिए अगर कैंसर चौथी स्टेज पर हो तो यह थैरेपी इसे दूसरी स्टेज पर ले आती है. यह हर तरह के कैंसर में नहीं दी जा सकती. इसी तरह रेडियोथेरेपी शरीर में कैंसर के ऊतकों को कम करने के लिए दी जाती है.

डॉक्टर मानते हैं कि कैंसर ठीक हो सकता है बशर्ते इसका डटकर सामना किया जाए. हमें इससे डरना नहीं चाहिए. कैंसर पर विजय हासिल करने में इन सुझावों पर ध्यान दें-

- जांच होने के बाद कैंसर के उपचार का पहला अवसर ही सर्वश्रेष्ठ अवसर है. इस अवसर को गंवाना जानलेवा हो सकता है.
- निकट के कैंसर संस्थान का ही उपचार के लिए चयन करें, ताकि आप लम्बे इलाज के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर अपने विशेषज्ञ के पास पहुंच सकें.
- कैंसर विशेषज्ञ की ही बातों पर अमल करें. गैर-जानकार व्यक्ति की सुनी-सुनाई बातों को सुन आप भ्रमित हो सकते हैं.
- बॉयोप्सी जांच से कैंसर फैलता नहीं है. इस गलत धारणा के कारण बहुत से लोग अपना उपचार समय से न कराकर मर्ज बढ़ा लेते हैं. बॉयोप्सी से ही कैंसर के प्रकार व संभावित उपचार का निर्धारण होता है.
- कैंसर विशेषज्ञ से रोग की वार्षिक जांच कराते रहने से रोग का प्रारंभिक अवस्था में पता चल जाता है. प्रारंभिक अवस्था में अधिकांश कैंसर पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं, बशर्ते आप पूरी तरह से मन लगाकर उपचार में जुट जाएं.

कैंसर की रोकथाम के कुछ उपाय-

- सिगरेट व शराब का सेवन कम करें इनसे फेफड़ों, सिर व गले के कैंसर का खतरा हो सकता है
- ज्यादा तला भुना व वसा युक्त भोजन कम खाएं, इससे ब्रेस्ट व प्रोस्ट्रेट कैंसर का खतरा होता है.
- स्वस्थ रहने के लिए रोज व्यायाम करें.

फेफड़ो के कैंसर से बचने के लिए किसी भी प्रकार के केमिकल्स जैसे फंगीसाइड, इंसेक्टिसाइड, पेन्ट, क्लीनर से दूर रहें.

- अपने जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें.
- गर्मियों के मौसम में सूरज की किरणों के संपर्क में आने से बचें, ऐसा करके आप स्किन कैंसर से बच सकते हैं.
- अपनी सुरक्षा के लिए ब्रेस्ट व प्रोस्ट्रेट कैंसर से बचने के लिए कुछ रेगुलर चेकअप कराते रहें.

कैंसर से चिकित्सा के कुछ उपाय-

- रेडिएशन्स की मदद से कैंसर को ठीक किया जा सकता है. एक नई चिकित्सा पद्धति के अनुसार अब रेडिएशन्स की मदद से चिकित्सा के दौरान दूसरे शरीर के भागों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता.
- कीमोथेरेपी की मदद से भी कैंसर का इलाज संभव है.

विश्व को कैंसर मुक्त करने के लिए आप भी कदम बढ़ाएं और खुद तथा अपने सगे सबंधियों को तंबाकू, सिगरेट, शराब आदि से दूर रहने की सलाह दीजिए.

आजकल खाद्य सामग्रियों में रसायन जो कैंसरजनक होते हैं का प्रचुरता से उपयोग होने के साथ कृषि क्षेत्र भी अछूता न होने से इस रोग की वृद्धि का भी मुख्य कारण हैं .

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

आर्थिकी के अहम मुद्दों की अनदेखी

भरत झुनझुनवाला

वित्तमंत्री ने बजट में 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कई मशीनों पर आयात कर बढ़ाया है, जिनका भारत में उत्पादन हो सकता था। इससे भारत में मशीनों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। जैसे मोबाइल फोन के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए मोबाइल फोन के लेंस के आयात पर छूट दी गई है। केमिकल में भी जहां देश में उत्पादन क्षमता उपलब्ध है वहां आयात करों को बढ़ाया गया है। सोलर बिजली के उत्पादन के लिए घरेलू सोलर पैनल के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया है। रक्षा क्षेत्र में कुल बजट का पिछले साल 58 प्रतिशत घरेलू स्रोतों से खरीद की जा रही थी जो इस वर्ष बढ़ाकर 68 प्रतिशत कर दिया गया है। यह सभी कदम सही दिशा में हैं। इनसे घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी और मेक इन इंडिया बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद अर्थव्यवस्था पुनः चल निकलेगी इस पर संशय है। मुख्य कारण यह है कि सरकार सप्लाई बढ़ाने की अपनी पुरानी गलत नीति पर ही चल रही है। जैसे घरेलू उत्पादन को 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' यानी उत्पादन के अनुसार उन्हें सहयोग मात्रा दिए जाने को बढ़ावा दिया गया है। लेकिन प्रश्न उठता है कि जब बाजार में मांग नहीं है तो उद्यमी उत्पादन करेगा क्यों और 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' लेने की स्थिति में पहुंचेगा कैसे? उद्यमी के लिए प्रमुख बात होती है कि वह अपने माल को बाजार में बेच सके। जब तक देश के नागरिकों की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी और वे बाजार में माल खरीदने को नहीं उतरेंगे तब तक बाजार में मांग उत्पन्न नहीं होगी और घरेलू उत्पादन नहीं बढ़ेगा। जैसे यदि किसी की जेब में नोट न हो तो बाजार में आलू 20 रुपये के स्थान पर 10 रुपये प्रति किलो में भी उपलब्ध हो तो वह खरीदता नहीं है। इसी प्रकार 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' की उपयोगिता तब है जब बाजार में मांग हो। लेकिन वित्तमंत्री ने आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाए हैं। करना यह चाहिए था कि सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में रिसाव को खत्म करके आम आदमी को सीधे नगद वितरण करना चाहिए, जिससे कि आम आदमी बाजार से माल खरीद सके और अर्थव्यवस्था चल सके। जो रकम 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' में दी जा रही है उसे सीधे जनता के हाथ में वितरित करना चाहिए, जिससे वित्तमंत्री चूक गईं। वित्तमंत्री ने कहा है कि सरकारी निवेश में वृद्धि की गई है। यह भी सही है लेकिन बड़ा सच यह है कि सरकार के कुल बजट में 5 लाख करोड़ की वृद्धि हुई है, जिसमे पूंजी खर्चों में 2 लाख करोड़ की और सरकारी खपत में 3 लाख करोड़ की। कहा जा सकता है कि यह 2 लाख करोड़ की वृद्धि अच्छी है और है भी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इस समय जब देश आयातों से हर तरफ से पिट रहा है, उस स्थिति में अपने देश में बुनियादी संरचना एवं अन्य पूंजी खर्चों में भारी वृद्धि करने की जरूरत थी, जिससे कि हम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में खड़े हो सकें। उस जरूरत को देखते हुए सरकारी खपत में 3 करोड़ की वृद्धि और सरकारी निवेश में 2 करोड़ की वृद्धि उचित नहीं दिखती है। अधिक वृद्धि पूंजी खर्चों में की जानी चाहिए थी जो कि वित्तमंत्री ने नहीं की है। इसलिए हम विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान की तरह पिटते रहेंगे ऐसी संभावना है। सरकारी कर्मियों के लिए एसयूवी खरीदने से हम विश्व बाजार में खड़े नहीं होंगे।वित्तमंत्री ने जीएसटी की वसूली में अप्रत्याशित वृद्धि की बात कही है जो कि सही भी है। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि जीएसटी में पिछले समय की तुलना में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; तो जीडीपी में मात्र 9 प्रतिशत की वृद्धि क्यों? कारण यह है कि जो 9 प्रतिशत की वृद्धि बताई जा रही है यह विवादास्पद है। जीडीपी की गणना अपने देश में मुख्यतः संगठित क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। जीएसटी में वृद्धि उत्पादन के कारण नहीं बल्कि इसलिए हो रही है कि असंगठित क्षेत्र पिट रहा है, असंगठित क्षेत्र का उत्पादन घट रहा है और वह उत्पादन जो अभी तक असंगठित क्षेत्र में होता था वह अब संगठित क्षेत्र में होने लगा है। जैसे बस स्टैंड पर पहले रेहड़ी पर लोग चना बेचते थे और अब पैकेट में बंद चना बिक रहा है। असंगठित रेहड़ी वाले का धंधा कम हो गया और उतना ही उत्पादन संगठित पैकेटबंद चने का बढ़ गया। कुल उत्पादन उतना ही रहा। लेकिन जीएसटी रेहड़ी वाला नहीं देता था और पैकेटबंद उत्पादक जीएसटी देता है इसलिए जीएसटी की वसूली बढ़ गई। वित्तमंत्री को जीएसटी की वृद्धि को गंभीरता से समझना चाहिए कि इसके समानांतर जीडीपी में वृद्धि क्यों नहीं हो रही है? मेरे अनुसार यह एक खतरे की घंटी है कि छोटे आदमी का धंधा कम हो रहा है, उसकी क्रय शक्ति कम हो रही है और देश का कुल उत्पादन सपाट है जबकि जीएसटी बढ़ रही है। जीएसटी की वसूली का दूसरा पक्ष राज्यों की स्वायत्तता का है। जून, 2022 में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों द्वारा जीएसटी में जो वसूली की कमी हुई है, उसकी भरपाई करना बंद हो जाएगा। जुलाई, 2022 के बाद राज्यों को जीएसटी की कुल वसूली में अपने हिस्से मात्र से अपने बजट को चलाना होगा। कई राज्यों की आय 25 से 40 फीसदी तक एक ही दिन में घट जाएगी। इस समस्या से निपटने के लिए वित्तमंत्री ने राज्यों के लिए ऋण लेना और आसान कर लिया है जो कि तात्कालिक समस्या के लिए ठीक है लेकिन ऋण लेकर राज्य कब तक अपना बजट चलाएंगे? उन्हें कहीं न कहीं से आय तो अर्जित करनी ही पड़ेगी। आज के संकट को 5 साल बाद पीछे धकेल देने से संकट समाप्त नहीं होता है। इसी संकट को जीएसटी को लागू करते समय 5 साल के लिए पीछे धकेला गया था और अब इसे और पीछे धकेला जा रहा है। वित्तमंत्री को जीएसटी में लचीलापन लाना चाहिए और राज्यों को अपने विवेक के अनुसार अपने राज्य की सरहद में बिकने वाले माल पर जीएसटी की दर में परिवर्तन करने की छूट देनी चाहिए। इस बजट का एकमात्र गुण मेक इन इंडिया के तहत विशेष वस्तुओं के आयात कर में वृद्धि करना है। बाकी अर्थव्यवस्था की सभी मूल समस्याओं की अनदेखी की गई है।

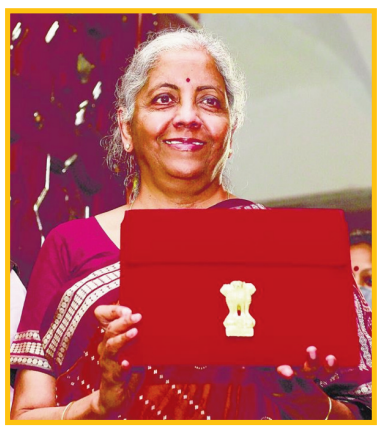

नजरिया

सलाखों के पीछे से आती उम्मीद भरी आवाज

वर्तिका नंदा, वरिष्ठ पत्रकार

लाल और नीले रंग का एक बड़ा सा गेट है। गेट खुलता है, एक लंबी सड़क है। उसे पार करने के बाद बाएं हाथ पर है नाई की एक दुकान। इस दुकान के ठीक सामने करीब 15 सीढ़ियां चढ़ने के बाद सामने आते हैं दो बेहद सुंदर कमरे। ये वे कमरे हैं, जिन्होंने इस जगह को एक नई पहचान दी है। पहला कमरा है रेडियो का स्टूडियो और दूसरा, तिनका-तिनका लाइब्रेरी। यह जगह है, जिला जेल पानीपत। 16 जनवरी, 2021 को हरियाणा की जेलों का पहला जेल रेडियो यहीं से शुरू हुआ। इस स्टूडियो में हर रोज पांच बंदी सुबह 10.30 बजे पहुंचते हैं और फिर जेल रेडियो जॉकी के तौर पर अपनी-अपनी भूमिकाओं को निभाने में शिद्दत से जुट जाते हैं। यह प्रसारण दो घंटे चलता है। यह समय पूरी जेल के लिए सुकून का समय है। लगता है, यह जेल नहीं, बल्कि सुरीली आवाजों से का कोई शहर है। यह कहानी साल 2021 में शुरू हुई, जब इस लेखिका ने हरियाणा की जेलों की तत्कालीन महानिदेशक को फोन करके राज्य की जेलों में रेडियो लाने की बात कही। उसके बाद दिसंबर के महीने में तीन जेलों को चुना गया- जिला जेल पानीपत, जिला जेल फरीदाबाद और केंद्रीय जेल अंबाला। हरियाणा में कुल 19 जेलें हैं। इनमें से सात में अब रेडियो आ चुका है। भारत के ऐतिहासिक शहरों में से एक पानीपत की पहचान यहां की जिला जेल भी है। यह हरियाणा की सबसे आधुनिक जेल मानी जाती है। 2020 में बनी इस जेल में इस समय 1,000 से ज्यादा बंदी हैं। इस जेल के पांच बंदी जेल रेडियो के जॉकी हैं और तिनका-तिनका जेल रिफॉर्म्स का अहम हिस्सा। हरियाणा की जेलों से 47 बंदियों को अब तक ट्रेनिंग दी जा चुकी है। ये रेडियो बंदियों को एक नई पहचान, सुधार का मौका और जीने का मकसद दे रहे हैं। निमातुला का ट्रांसफर महाराष्ट्र की एक जेल में हुआ, तो उसने वहां जाने से पहले जेल सुपरिटेंडेंट से निवेदन किया कि उसे जेल रेडियो के लिए लिखे गए अपने गाने और कविताएं साथ ले जाने की अनुमति दी जाए। अनुमति मिल गई। वह संतोष भाव के साथ जेल से गया। इसी तरह, एक दिन रविवार था। यह लेखिका पानीपत जेल गई, तो जेल रेडियो के कमरे में एक बुजुर्ग को देखा। उन्होंने बताया कि सुपरिटेंडेंट की विशेष अनुमति से उन्हें यहां पर आने और अपनी रागिनी सुनाने की इजाजत मिली है। उन्होंने कहा कि जेल में आने से पहले भी वह चाहते थे कि उनकी आवाज को लोग सुनें। तब तो यह सपना पूरा नहीं हुआ, जेल में आने के वर्षों बाद यह सपना इस रेडियो के जरिये पूरा होने जा रहा है। उस बुजुर्ग की आंखों में जो खुशी छलक रही थी, वही जेल रेडियो की सफलता का सार है। जेल रेडियो भारत के लिए एक नई अवधारणा है। साल 2013 में पहली बार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी जेल तिहाड़ में रेडियो सेवा की शुरुआत हुई थी। वर्ष 2019 में देश की सबसे पुरानी जेलों में से एक जिला जेल आगरा में रेडियो की नींव रखी गई। मगर कटु सच यही है कि जेल किसी की पसंद का ठिकाना नहीं है। हमारी फिल्मों और मीडिया ने जेल के जिस चेहरे को दिखाया है, वैसी न तो आम तौर पर जेलें होती हैं,और न ही उनके जेलर होते हैं। समाज अगर सिर्फ इतना कर ले कि वह जेल को अपनी जिंदगी जीने दे, उसे अपने हिसाब से सलाखों में रंग भरने दे, गुनगुनाने दे, तो इतना भी काफी है। जेलें समाज से कुछ नहीं मांगतीं। बदलते दौर में जेलों ने अपने लिए एक अलग संसार बनाने की धुन ठान ली है। हालांकि, समाज आज भी सोचता है कि वह बंदियों पर भरोसा नहीं कर सकता, यह जाने बिना कि जेल के बंदी भी उस पर भरोसा नहीं करते। यह भरोसा तो कभी बना ही नहीं था। कोरोना महामारी के इस विकट समय में जेल रेडियो ने अनगिनत बंदियों को मानसिक सहारा और खुद को बदलने की वजह दी है।

सलाखों के पीछे रह रहे लोगों से नफरत करने वाला हमारा समाज यह भूल जाता है कि जो जेल गया है, वह एक दिन फिर से उसके बीच लौटेगा। लौटते समय इन बंदियों के मन में कड़वाहट के पहाड़ न हों, इसके लिए इनके बदलाव की कहानियों का तिनका भर समर्थन भी काफी है। जेल सुधार की शुरुआत यहीं से होती है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट आईटी और वित्तीय शेयरों में हुई मुनाफावसूली के साथ ही बिकवाली का दबाव बढ़ने से भी आई है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 770.31 अंक करीब 1.29 फीसदी नीचे आकर 58,788.02 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का (निफ्टी) भी 219.80 अंक तकरीबन 1.24 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,560.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा तीन फीसदी से अधिक की गिरावट एचडीएफसी के शेयर में रही। इसके अलावा इन्फोसिस, एलएंडटी, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरे हैं। देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जनवरी के महीने में कमजोर पड़ी हैं। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वे के अनुसार कोरोना वायरस महामारी के बढ़ने के बीच इसकी रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों और मुद्रास्फीति के दबाव के साथ नए कारोबार में काफी धीमी गति से वृद्धि हुई। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। एचडीएफसी, इंफोसिस और विप्रो जैसी कंपनियों के शेयर में गिरावट से शुरुआत में ही बाजार नीचे आया है। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी फंड के बहिर्वाह का घरेलू बाजार पर असर पड़ा है। सेंसेक्स में सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक में रही। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, विप्रो, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक और कोटक बैंक के शेयर भी घाटे में रहे। वही दूसरी तरफ टाइटन, एशियन पेंट्स, आईटीसी, मारुति, एसबीआई और एनटीपीसी के शेयरों में वृद्धि दर्ज की गई।एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्केई कारोबार के मध्य सौदों में घाटे में कारोबार कर रहा जबकि दक्षिण कोरिया का बाजार लाभ में था। चीन और हांगकांग समेत कई एशियाई बाजार अपने नववर्ष की छुट्टी के कारण बंद हैं।

एचएसबीसी इंश्योरेंस केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ में पीएनबी की हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली ।

एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया प्रशांत) होल्डिंग्स लिमिटेड (आईएनएएच) ने केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है। कंपनी की बीमा कंपनी में हिस्सेदारी है। पीएनबी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक को एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस . के शेयरधारक एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया प्रशांत) होल्डिंग्स से पत्र मिला है। पत्र में बीमा कंपनी में बैंक की हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई गई है। पीएनबी ने कहा कि हालांकि एचएसबीसी इंश्योरेंस का प्रस्ताव आगे मूल्यांकन पर निर्भर है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने जीवन बीमा कंपनी में हिस्सेदारी ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के पीएनबी में 2019-20 में विलय के बाद प्राप्त की थी। पूर्ववर्ती ओबीसी बैंक की जीवन बीमा कंपनी में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। विलय के बाद यह हिस्सेदारी पीएनबी के पास आ गयी। बीमा कंपनी में केनरा बैंक की 51 प्रतिशत जबकि एचएसबीसी इंश्योरेंस की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पीएनबी एक और बीमा कंपनी पीएनबी मेटलाइफ का भी प्रवर्तक है। इसमें बैंक की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

फेसबुक का राजस्व हो सकता है प्रभावित

नई दिल्ली । दिग्गज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक को टिकटॉक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म कड़ी टक्कर दे रही हैं। इसकी वजह से आने वाले दिनों में फेसबुक का राजस्व प्रभावित हो सकता है। कंपनी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है। मेटा का कहना है कि साल की पहली तिमाही में उसका प्रदर्शन अनुमान से कम रह सकता है। कंपनी का कहना है कि एपल ने अपने ऑपरेटिंग सिस्टम की प्राइवेसी में बदलाव किया है जिससे ब्रांड्स को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापनों में मुश्किल आ रही है। साथ ही सप्लाई चेन की चुनौतियों ने भी कंपनी की मुश्किलें बढ़ाई हैं। 18 साल पुरानी इस कंपनी को टिकटॉक और यूट्यूब से भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में यूजर्स इन प्लेटफॉर्म्स की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। इससे आने वाली तिमाही में फेसबुक का राजस्व बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। पिछले साल की चौथी तिमाही में फेसबुक के 2.91 अरब मंथली एक्टिव यूजर थे और उससे पिछले तिमाही की तुलना में इस संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। मेटा के एक प्रमुख अे धिकारी ने हाल ही में कहा कि आने वाली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू अनुमान से कम रह सकता है। मेटा का कहना है कि पहली तिमाही में उसका राजस्व 27 से 29 अरब डॉलर रह सकता है जबकि विश्लेषक इसके 30.15 अरब डॉलर रहने की उम्मीद कर रहे थे।

इंडिया ने भारत से एक लाख से अधिक गाड़ियों के निर्यात किया

मुंबई । वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया ने भारत से एक लाख से अधिक गाड़ियों के निर्यात का आंकड़ा पार कर दिया है। कंपनी ने सितंबर, 2019 में निर्यात शुरू किया था। किआ ने कहा कि उसने ढाई साल से कम की अवधि में ही 1लाख का आंकड़ा पार कर लिया है, जो भारत को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता दिखाता है। किआ इंडिया ने कहा कि उसने पश्चिमी एशिया, अफ्रीका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, मैक्सिको और एशिया प्रशांत के 91 देशों में अपनी गाड़ी सेल्टोस और सॉनेट का निर्यात किया है। फिलहाल सेल्टोस और सॉनेट के निर्यात का हिस्सा क्रमश- 77 और 23 फीसदी है। किआ के अनुसार निर्यात शुरू करने के बाद से कंपनी ने जनवरी, 2022 तक कुल 1,01,734 इकाइयों का निर्यात किया है।

टोयोटा ने हिल्क्स की बुकिंग बंद की

नई दिल्ली । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स ने हाल में पेश अपनी कार हिल्क्स की बुकिंग अस्थायी रूप से बंद कर दी है। टोयोटा ने हिल्क्स की भारी मांग के बीच आपूर्ति को प्रभावित करने वाले कई कारणों को ध्यान में रखते हुए फिलहाल बुकिंग बंद करने का निर्णय किया है। कंपनी ने पिछले महीने यह कार पेश करते हुए अप्रैल में इसकी आपूर्ति शुरू करने की उम्मीद के साथ बुकिंग शुरू कर दी थी, लेकिन इसकी कीमत की घोषणा नहीं की थी। इस संबंध में टोयोटा के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमारी आपूर्ति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारणों के चलते हम बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं।

ओएनजीस, आईओसी व अन्य सरकारी कंप नियां 1.11 लाख करोड़ खर्च करेंगी

नई दिल्ली । सार्वजानिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) सहित अन्य सरकारी कंपनियां वित्त वर्ष 2022-23 में 1.11 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। ओएनजीसी, आईओसी, गेल (इंडिया) लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) सामूहिक रूप से अगले वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत अधिक पूंजीगत खर्च करेंगी। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2022-23 में 1.11 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष के लिए 1.04 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान की तुलना के आधार पर है। ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 29,950 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। यह चालू वित्त वर्ष में 30,500 करोड़ रुपए के संशोधित अनुमानित व्यय से थोड़ा कम है। देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनिंग और ईंधन विपणन कंपनी आईओसी अगले वर्ष में 28,549 करोड़ रुपए का खर्च करेगी। यह 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में खर्च के लगभग बराबर है। इसके अलावा गेल गैस उपयोगिता पाइपलाइन ग्रिड और पेट्रोरसायन संयंत्रों के विस्तार पर 7,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जो चालू वित्त वर्ष में 7,160 करोड़ रुपए के संशोधित व्यय से अधिक है।

ऑडी ने एसयूवी क्यू7 का नया संस्करण उतारा

नई दिल्ली । जर्मनी की लक्ज़री कार बनाने वाली कंपनी ऑडी ने देश में अपनी एसयूवी कार 'क्यू7' का नया संस्करण उतारा है। दिल्ली में इसकी एक्स-शोरूम कीमत 79.99 लाख रुपए है। ऑडी ने बताया कि स्थानीय इकाई में तैयार इस कार में 48वी माइल्ड हाइब्रिड प्रणाली के साथ 3,000 सीसी का इंजन दिया गया है, जो 340 हॉर्स पवार की शक्ति पैदा करता है। यह कार 5.9 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार पकड़ सकती है। कंपनी के अनुसार यह कार दो नए संस्करण 'क्यू7 प्रीमियम प्लस' और 'क्यू7 टेक्नोलॉजी' में उपलब्ध है और इनकी कीमत क्रमशः 79.99 लाख और 88.33 लाख रुपये है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने बताया कि हम अपनी क्यू7 को वापस बाजार में ला रहे हैं। यह कार न केवल हमारी प्रमुख कार है बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कारों में से एक है। इस कार को हमेशा ग्राहकों के सभी वर्गों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि नई क्यू7 पेश करने के साथ ऑडी इंडिया वर्ष 2022 में एक और मजबूत प्रदर्शन के लिए उत्साहित है।

सैमसंग भारतीय हैंडसेट बाजार में नंबर वन पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत के कुल मोबाइल हैंडसेट बाजार में 2021 में (ऑन-ईयर) 7 फीसदी की वृद्धि हुई और सैमसंग ने 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ हैंडसेट बाजार में पहला स्थान हासिल करहै। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक रिसर्च के अनुसार, फीचर फोन सेगमेंट में, 2021 में फ्लैट ग्रोथ दिखाने के लिए शिपमेंट 86 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया। आईटेल ने फीचर फोन बाजार का नेतृत्व किया, जिसमें 24 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, इसके बाद लावा, सैमसंग और जियो थे। आईटेल पिछले दो साल से लगातार फीचर फोन बाजार में अग्रणी है। स्मार्टफोन सेगमेंट में सैमसंग 2021 में शिपमेंट में आठ प्रतिशत की गिरावट के साथ दूसरे स्थान पर रहा। आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट आने, नई नोट श्रृंखला की अनुपस्थिति, प्रवेश स्तर के खंड पर कम ध्यान और पिछले वर्ष की तुलना में मध्य खंड में कम लॉन्च के कारण समग्र गिरावट दर्ज की गई। बताया जा रहा है कि 2021 की चौथी तिमाही में 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट में सैमसंग प्रमुख ब्रांड था। 5जी स्मार्टफोन में अधिकतम बैंड प्रदान करने के इसके अभियान ने इस वृद्धि को सुगम बनाया। इसने 28 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 20,000-रु 45,000 (267 से 600 डॉलर) खंड का भी नेतृत्व किया। भारत में 2021 में सैमसंग के फोल्डेबल डिवाइस (फोल्ड और फ्लिप सीरीज) शिपमेंट में 388 प्रतिशत (ऑन-ईयर) की वृद्धि हुई। वैश्विक स्तर पर, सैमसंग ने पिछले साल की तुलना में 2021 में चार गुना अधिक फोल्डेबल डिवाइस भेजे हैं, जो बाजार में तीन गुना वृद्धि से अधिक है, जिसकी विश्लेषकों को उम्मीद थी। कंपनी के अनुसार सैमसंग फोल्डेबल्स के लिए उपभोक्ताओं का उत्साह गैलेक्सी जेड सीरीज की सफलता का उदाहरण है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2011 में फ्लेक्सिबल डिस्प्ले के अपने पहले प्रोटोटाइप का खुलासा किया।

ऑस्ट्रेलियाई अरबपति ने मेटा के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की

सिडनी।

मेटा (पूर्व में फेसबुक) के खिलाफ अपनी तरह के पहले मुकदमे में, ऑस्ट्रेलियाई लौह अयस्क मैग्नेट एंड्रयू ट्विगी फॉरेस्ट ने सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इसने मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानूनों का उल्लंघन किया है। मीडिया रिपोटरें में गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। उपयोगकर्ता डेटा गोपनीयता पर दुनिया भर की सरकारों द्वारा गहन जांच का सामना करते हुए, मेटा को पहले कभी आपराधिक आरोपों का सामना नहीं करना पड़ा है। एबीसी न्यूज के अनुसार, फॉरेस्ट ने आरोप लगाया कि फेसबुक अपनी इमेज का उपयोग करके झूठे क्रिप्टोकरेंसी घोटाले के विज्ञापनों को हटाने में विफल रहा है। फॉरेस्ट ने कहा, फेसबुक (अब मेटा के लिए पुनः ब्रांडेड) अपराध करने के लिए अपने सिस्टम का उपयोग करने से रोकने के लिए नियंत्रण या कॉर्पोरेट संस्कृति बनाने में विफल रहा है। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं सोशल मीडिया पर क्लिकबैट विज्ञापन के माध्यम से निर्दोष ऑस्ट्रेलियाई लोगों के साथ धोखाधड़ी के बारे में चिंतित हूं। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि सोशल मीडिया ऑपरेटर अपनी साइटों को आपराधिक सिंडिकेट द्वारा उपयोग नहीं करने देंगे। राष्ट्रमंडल महान्यायवादी की सहमति से आरोपों को राष्ट्रमंडल आपराधिक संहिता के भाग 10 के तहत लाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले की प्रारंभिक सुनवाई 28 मार्च को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया मजिस्ट्रेट कोर्ट में होगी। फॉरेस्ट ने पिछले साल सितंबर में कंपनी के खिलाफ कैलिफोर्निया में नागरिक कार्यवाही शुरू की थी, जिसमें निषेधाज्ञा राहत और अन्य उपायों की मांग की गई थी। कैलिफोर्निया के सुपीरियर कोर्ट में एक अलग मामला लंबित था। मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा, हम नहीं चाहते कि फेसबुक पर लोगों को पैसे से ठगने या लोगों को गुमराह करने वाले विज्ञापन- वे हमारी नीतियों का उल्लंघन करते हैं और हमारे समुदाय के लिए अच्छे नहीं हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हम इन विज्ञापनों को रोकने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाते हैं, हम न केवल विज्ञापनों का पता लगाने और उन्हें अस्वीकार करने के लिए काम करते हैं, बल्कि विज्ञापनदाताओं को हमारी सेवाओं से रोकते हैं और कुछ मामलों में, हमारी नीतियों को लागू करने के लिए अदालती कार्रवाई करते हैं। क्लिकबैट विज्ञापन, जिनमें से कुछ का आरोप है कि फॉरेस्ट ने गुप्त रूप से क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग के माध्यम से अपना 27 बिलियन डॉलर का भाग्य बनाया, उसने उन्हें मार्च 2019 से परेशान किया है। यहां तक कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से मेटा फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग से उन विज्ञापनों को रोकने की अपील की।

शीर्ष 10 सेमीकंडक्टर खरीदारों ने 2021 में चिप खर्च में 25 फीसदी की वृद्धि की

नई दिल्ली:

वैश्विक स्तर पर चिप की कमी के बीच, शीर्ष 10 अर्धचालक खरीदारों ने अपने चिप खर्च में 25.2 प्रतिशत की वृद्धि की और कुल बाजार में 42.1 प्रतिशत का योगदान दिया। गार्टनर की एक नई रिपोर्ट में गुरुवार को इसकी जानकारी दी गई है। एप्पल 2021 में सेमीकंडक्टर खर्च करने वाली ग्राहक रैंकिंग में शीर्ष पर रहा, जिसने 2021 में मेमोरी पर अपने खर्च में 36.8 प्रतिशत और गैर-मेमोरी चिप्स पर 20.2 प्रतिशत की वृद्धि की। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, अपने स्वयं के इन-हाउस-डिजाइन किए गए एप्लिकेशन प्रोसेसर में बदलाव के कारण माइक्रो प्रोसेसिंग यूनिट्स (एमपीयू) की गणना के लिए इसकी मांग में कमी आई है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2021 में अपने मेमोरी खर्च में 34.1 प्रतिशत और गैर-मेमोरी चिप खर्च में 23.9 प्रतिशत की वृद्धि की। मेमोरी खर्च में वृद्धि न केवल मेमोरी की कीमत में वृद्धि का परिणाम थी, बल्कि सैमसंग के अपने लक्षित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बाजारों, विशेष रूप से स्मार्टफोन और सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) बाजारों में भी वृद्धि का परिणाम था। गार्टनर के शोध निदेशक मासत्सुने यामाजी ने कहा, सेमीकंडक्टर विक्रेताओं ने 2021 में अधिक चिप्स भेजे, लेकिन ओईएम की मांग विक्रेताओं की उत्पादन क्षमता से कहीं अधिक मजबूत थी। सेमीकंडक्टर की कमी ने ओईएम को न केवल वाहनों का बल्कि स्मार्टफोन और वीडियो गेम कंसोल सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादन में वृद्धि करने से रोक दिया। अर्धचालक चिप्स की औसत बिक्री मूल्य (एएसपी), जैसे कि माइक्रोकंट्रोलर इकाइयां, सामान्य-उद्देश्य तर्क एकीकृत सर्ट (आईसी) और आवेदन-विशिष्ट अर्धचालकों की एक विस्तृत विविधता, 2021 में 15 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि हुई। यामाजी ने कहा, सेमीकंडक्टर की कमी ने भी ओईएम की डबल बुकिंग और पैनिक खरीदारी को तेज कर दिया, जिससे उनके सेमीकंडक्टर खर्च में भारी बढ़ोतरी हुई।

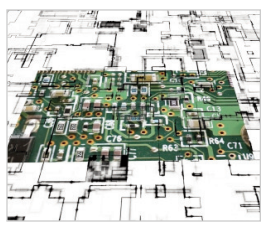

कोरोना की तीसरी लहर ने जनवरी में देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि को प्रभावित किया

नई दिल्ली:

कोराना की तीसरी लहर ने जनवरी में देश के सर्विस सेक्टर की वृद्धि को प्रभावित किया है। इसके फलरूवरूप मौसम के अनुरूप समायोजित किया जाने वाला देश का सेवा कारोबार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 51.5 दर्ज किया गया है। यह दिसंबर के 55.5 की तुलना में काफी कम है। पीएमआई सूचकांक 0 से 100 के बीच में होता है और 50 से अधिक का आंकड़ा दर्शाता है कि पिछले माह की तुलना में वृद्धि में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, यह आंकड़ा छह महीने की अवधि में विकास की सबसे धीमी दर की ओर इशारा करते हैं। आईएचएस मार्ट इंडिया सर्विसेज पीएमआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के तेज होने, कोविड प्रतिबंधों को फिर से लागू करने और मुद्रास्फीति के दबावों से यह रूख देखने को मिला है।

सर्वेक्षण में भाग लेने वालों के अनुसार, ओमिक्रॉन के तेजी से प्रसार और देश के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू की वजह से से मांग में कमी आई थी। रिपोर्ट में कहा गया है वर्ष की शुरूआत में नए कार्यो में वृद्धि हुई। इस अवधि में विकास की दर मामूली रही और सबसे कमजोर भी थी। इसमें कहा गया है कि कुल मिलाकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में समग्र पीएमआई सूचकांक दिसंबर के 56.4 से गिरकर जनवरी में 53 रह गया है। रिपोर्ट के अनुसार सर्विस क्षेत्र और विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन संबंधी गतिविधियों में धीमी शुरूआत हुई है। निजी क्षेत्र की कंपनियों को मिल रहे नए आर्डर में बढ़ोत्तरी हो रही है लेकिन मौजूदा छह महीने की अवधि में वृद्धि की गति से कम हो गई। विनिर्माण फर्मों और उनके सेवा क्षेत्र कंपनियों के बीच धीमी वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, जनवरी के आंकड़ों ने निजी क्षेत्र के रोजगार में लगातार दूसरी मासिक गिरावट की ओर संकेत किया है। इसमें कहा गया है दिसंबर से नौकरी छूटने की दर तेज हो गई। माल उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं के बीच इसी इसी तरह की गिरावट देखी गई है।

आईएचएस मार्ट में अर्थशास्त्र के एसोसिएट निदेशक पोलीन्ना डी लीमा ने कहा कि महामारी के बढ़ने और कर्फ्यू को फिर से शुरू करने से सेवा क्षेत्र में विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, लोगों में इस बात को लेकर काफी डर था कि कोविड -19 की मौजूदा लहर कितने समय तक अपना असर डालेगी।

लीक हुए जियोफोन 5जी के फीचर्स, 9000 से 12000 रुपए के अंदर होगी फीस

नई दिल्ली ।

जियो फोन 5जी स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन्स लीक हुए हैं। पिछले साल रिलायंस जियो ने जियोफोन नेक्स्ट लॉन्च किया था। रिपोर्ट के मुताबिक अब जियो फोन 5जी लाने की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि जियोफोन 5जी कई अलग अलग वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा। फोन का डिजाइन सहित स्पेसिफिकेशन्स और फीचर्स जियोफोन नेक्स्ट से बेहतर होंगे। कीमत भी जाहिर है उससे ज्यादा होगी। एंड्रायड सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक जियोफोन 5जी की कीमत भारत में 9000 से 12000 रुपए के अंदर हो सकती है। हालांकि इसके साथ जियो फाइनांसिंग ऑप्शन्स ला कर इसे और कम में ही पेश कर दे। जियोफोन नेक्स्ट को जिस तरह से कंपनी ईएमआई पर बेचना शुरू किया है, जिसमें जियो के प्लान्स भी होते हैं। इसी तरह की स्कीम जियोफोन 5जी के साथ भी लाई जा सकती है। जियोफोन 5जी में एंड्राइड 11 गो एडीशन दिया जाएगा। इस स्मार्टफोन की स्क्रीन 615 इंच की होगी। ऐस्पेक्ट रेश्यो 20ः9 होगा। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 480 चिपसेट दिया जाएगा। इसके साथ 4जीबी रैम होगा और दो या तीन मेमोरी वेरिएंट के साथ इसे पेश किया जा सकता है। जियोफोन 5जी में डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया जा सकता है।

प्राइमरी लेंस 13 मेगापिक्सल का, जबकि दूसरा 2 मेगापिक्सल का सेंसर दिया जा सकता है जो मैक्रो लेंस होगा। सेल्फी के लिए 8 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जाएगा। जियोफोन 5जी में 32 जीबी की स्टोरेज के साथ माइक्रो एसडी कार्ड सपोर्ट दिया जा सकता है। बताया जा रहा है कि इसमें कनेक्टिविटी के लिए यूएसबी टाइप सी पोर्ट होगा और इसकी बैटरी 5,000 एमएएच की होगी। जियोफोन नेक्स्ट में एंड्रायड बेस्ड जियो का अपना कस्टम ओएस दिया गया है। इस फोन में भी जियो के लॉन्चर दिए जा सकते हैं। हालांकि यूजर इंटरफेस का बेस एंड्रॉयड ही होगा। फिलहाल रिलायंस जियो की तरफ से जियोफोन 5जी के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है।

बिहार में किसानों से 32.61 लाख टन की रिकॉर्ड धान खरीदी गई

पटना ।

बिहार के 4.50 लाख किसानों से अब तक 32.61 लाख टन की रिकॉर्ड धान खरीद गई है। पटना के एक अणे मार्ग स्थित संकल्प भवन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धान खरीद की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के दौरान सहकारिता विभाग की सचिव बंदना प्रेयसी ने बताया कि लक्ष्य के अनुरूप सभी जिलों से धान का क्रय किया जा रहा है। अब तक 32.61 लाख टन धान खरीदा गया है। उन्होंने बताया कि धान खरीद के लिए 15 फरवरी, 2022 तक की समयसीमा निर्धारित की गई है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ने अपने यहां सबसे पहले पैक्स के धान खरीद की शुरुआत की। इससे किसानों को काफी लाभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि किसानों से धान खरीद में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए निरंतर निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की हरसंभव सहायता के लिए पूरी तरह तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में उसना चावल की खपत अधिक है। उसना चावल मिलों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। अरवा चावल मिलों को उसना मिल में बदलने के लिए प्रेरित किया जाए।

विश्वकप खेलने गई बंगलादेश की महिला टीम के तीन सदस्यों की रिपोर्ट आई पॉजिटिव

ढाका । आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 के लिए न्यूजीलैंड जाने वाली बंगलादेश क्रिकेट टीम कोरोना वायरस की चपेट में आ गई है। टीम की एक खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ के दो सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। महिला विंग के अध्यक्ष नडेल चौधरी ने गुरुवार को क्रिकबज को बताया कि एक खिलाड़ी और दो अधिकारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। फिलहाल वे आइसोलेशन में हैं और 8 दिनों के बाद हम फिर से कोरोना टेस्ट कराएंगे और अगर वे नेगेटिव आते हैं तो वे न्यूजीलैंड के लिए उड़ान भरेंगे। उल्लेखनीय है कि बीसीबी ने बुधवार को एहतियात के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज नुजहत तस्निया को राष्ट्रीय महिला टीम में यात्रा रिजर्व के तौर पर शामिल किया है। वहीं 25 वर्षीय शांजीदा अख्तर माघला दूसरी रिजर्व खिलाड़ी हैं। बंगलादेश क्रिकेट टीम, जो आज शाम ढाका से न्यूजीलैंड रवाना होने वाली है, पांच मार्च को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी।

मेगा नीलामी में फ्रेंचाइजियों को करना होगा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के लिए 12-13 फरवरी को बेंगलूर में होने वाली मेगा नीलामी में शामिल हो रही सभी फ्रेंचाइजियों को कोरोना प्रोटोकॉल और नीलामी से जुड़ी 10 बातों का ध्यान रखना होगा। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए बायो-बबल में होने वाली इस मेगा नीलामी में दस टीमें 590 खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी। इनमें अहमदाबाद और लखनऊ दो नई टीमें हैं। इससे नीलामी में अधिक खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। नीलामी में भाग लेने वाली सभी 10 फ्रेंचाइजियों को कोरोना प्रोटोकॉल और नीलामी से जुड़ी जिन 10 बातों का ध्यान रखना है। वह इस प्रकार हैं।

- 1 नीलामी में हिस्सा लेने वाले फेंचाइजी अधिकारियों को 9, 10 और 11 फरवरी को निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट के साथ कोरोना जांच पास करनी होगी। यह जांच बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त लैब करेगी.
- 2 इस बार फ्रेंचाइजी के पास राइट टू मैच यानी आरटीएम कार्ड नहीं होगा। इससे पहले तक सभी टीमों के पास दो राइट टू मैच कार्ड होते थे। इसके जरिए फ्रेंचाइजी को ऐसे खिलाड़ी को वापस खरीदने का विकल्प दिया जाता है, जिसे वो रिटेन नहीं कर पाए हैं पर अब वह ऐसा नहीं कर पाएंगी क्योंकि नीलामी में दो नई टीमें शामिल हुई हैं।
- 3 इस बार टीमों का सैलरी पर्स बढ़ाकर 90 करोड़ कर दिया गया है जिससे घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आईपीएल में अवसर मिल सके।
- 4 नीलामी में हिस्सा लेने वाले उन लोगों को जो 15 दिनों में विदेश से भारत लौटे हैं को 7 दिन के लिए अनिवार्य रूप से क्वारंटीन होना पड़ेगा और इसके बाद 8वें और 9वें दिन इनकी दो कोरोना रिपोर्ट निगेटिव होनी चाहिये।
- 5 बीसीसीआई 11 फरवरी को नीलामी के लिए होटल में पहुंचने वालों पर भी कड़ी नजर रखेगी और यह जांचा जाएगा कि उनमें से किसी में भी कोरोना के लक्षण तो नहीं हैं।
- 6 नीलामी 12-13 फरवरी को होनी है। इस दिन सुबह 7 बजे तक कोरोना जांच होगी ताकि नीलामी किसी तरह प्रभावित ना हो। नीलामी में हिस्सा लेने वाले अधिकारियों को तब तक होटल रूम में ही रुकना होगा, जब तक उनकी रिपोर्ट निगेटिव नहीं आती।
- 7 आईपीएल नीलामी में वहीं भाग ले पायंगे जिनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई हो और उन्होंने क्वारंटीन नियमों का पालन किया हो।
- 8 ऑक्शन में शामिल सभी प्रतिभागियों को बीसीसीआई की मेडिकल टीम को अपनी सारी जानकारी साझा करनी होगी। इसमें कोरोना टीकाकरण का प्रमाणपत्र देना भी शामिल है।
- 9 ऑक्शन टेबल पर बैठे और ऑडिटोरियम में मौजूद लोगों को हर समय मास्क लगाकर रखना होगा।
- 10 अंत में सभी लोगों को नीलामी के लिए बनाए गए कोविड प्रोटोकॉल और उससे जुड़े सभी नियमों का पालन करना होगा।

1000वां एकदिवसीय खेलने वाली पहली टीम बनेगी टीम इंडिया

मुम्बई ।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम छह फरवरी को मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम करेगी। यह भारतीय टीम का 1000वां एकदिवसीय मैच होगा। भारतीय टीम इस आंकड़े तक पहुंचने वाली पहली टीम भी होगी। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में टॉस के साथ ही भारतीय टीम हजार एकदिवसीय मैचों के आंकड़े तक पहुंचने वाली पहली टीम बन जाएगी। भारत ने अब तक 999 मैच खेले हैं, जबकि 518 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। इस दौरान उसे 431 मैचों में हार मिली और 9 मैच टाई रहे। वहीं 41 मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुए। इसमें भारत का जीत प्रतिशत 54.54 रहा है। सबसे अधिक मैच खेलने की इस सूची में भारत के बाद दूसरा नंबर ऑस्ट्रेलिया का है। उसने 958 मैच खेले हैं, जबकि पाकिस्तान ने 936, श्रीलंका ने 870 और वेस्टइंडीज ने 834 मैच खेले हैं। गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण तीनों एकदिवसीय मैच दर्शकों के बिना ही खाली स्टेडियम में खेले जायेंगे।

फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 -विदित के सामने होगी लेवोन अरोनियन की चुनौती

बर्लिन,जर्मनी / निकलेश जैन

एक दिन बाद शुरू हो रही फीडे ग्रां प्री सीरीज के पूल डी मे भारत से ग्रांड मास्टर विदित गुजराती विश्व कप से चयनित होकर इसमें जगह बनाने मे कामयाब रहे थे और अब उनके सामने अपने पूल सी मे टॉप पर रहकर सेमी फाइनल मे जगह बनाने की चुनौती होगी । विश्व के 21 वे नंबर के खिलाड़ी विदित के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्व के नंबर 7 खिलाड़ी लेवोन अरोनियन को पराजित करने की होगी । वैसे विदित इससे पहले एक बार अरोनियन को मात दे चुके है और बाकी के दो प्रतिद्वंदीयों रूस के डेनियल डुबोव और जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा से अच्छा रहा है । अभी हाल मे टाटा स्टील के पहले हिस्से मे जिस अंदाज मे विदित नें खेल दिखाया था अगर वो वैसा खेले तो भारत से विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडीडेट मे जगह बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने की क्षमता रखते है ।शतरंज मे विश्व चैम्पियन को चुनौती कौन देगा यह फीडे कैंडीडेट के विजेता से तय होता है और फीडे कैंडीडेट 2022 के आठ मे छह स्थान पर तो खिलाड़ी पहले ही चयनित हो चुके है पर अंतिम दो स्थान 3 फीडे ग्रां प्री के बाद तय होंगे ।

गांगुली ने आयोजन को लेकर की स्थिति स्पष्ट

खेल डैस्क ।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पुष्टि की है कि आईपीएल 2022 भारत में रहेगा और महाराष्ट्र में आयोजित किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि आईपीएल के प्लेऑफ मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में करवाए जाएंगे। इसका मतलब है कि पूरा आई.पी.एल. भारत में ही खेला जाएगा। गांगुली ने पुष्टि करते हुए कहा कि लीग मुकाबले महाराष्ट्र - मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में होंगे। हालांकि प्लेऑफ के स्थान पर फैसला बाद में किया जाएगा, फिलहाल अहमदाबाद सबसे आगे चल सकता है। बीसीसीआई ने कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण यूएई और दक्षिण अफ्रीका को स्टैंडबाय वेन्यू के रूप में रखा था। हालांकि, देश में मामले घटने के साथ फेंचाइजी मालिक भारत में मैचों की मेजबानी करने के इच्छुक थे। वानखेड़े स्टेडियम, डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे में एमसीए स्टेडियम लीग मैचों की मेजबानी करेगा जबकि अहमदाबाद का मोटेरा स्टेडियम प्लेऑफ की मेजबानी करने के लिए सबसे आगे है। बताया जा रहा है कि टूर्नामेंट एक ही राज्य में करवाने का निर्णय हवाई यात्रा खत्म करने के लिए लिया गया है। पिछले बार हवाई यात्रा के दौरान खिलाड़ी कोविड-19 पॉजीटिव आ गए थे। वैसे भी मुंबई और पुणे की दूरी ज्यादा नहीं है। खिलाड़ी बस के जरिए ही ट्रैवल कर सकते हैं।बता दें कि आईपीएल 2022 से पहले 11 से 12 फरवरी को मेगा ऑक्शन करवाई जानी है। इसके लिए 500 से ज्यादा खिलाडियों पर 10 फ्रेंचाइजी टीमों की नजर रहेगी। टूर्नामेंट में इस बार लखनऊ और अहमदाबाद की नई टीमें भी होंगी। बीसीसीआई ने 10 प्लेयरों को मार्की बनाया है जिनपर फ्रेंचाइजी मोटी रकम खर्च करने के लिए तैयार होंगी।

संक्षिप्त समाचार

टेनिस खेलते नजर आये धोनी

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आजकल रांची में टेनिस खेलते नजर आ रहे हैं। धोनी अपने को फिट बनाये रखने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है इसमें धोनी टेनिस का अभ्यास कर रहे हैं। इस वीडियो में धोनी ब्लैक टी-शर्ट और ग्रीन कलर की पैंट में नजर आ रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब धोनी क्रिकेट की जगह किसी दूसरे खेल का अभ्यास कर रहे हों। कई बार उन्हें फुटबॉल, बैडमिंटन खेलते हुए देखा गया है। 40 साल के धोनी अपनी फिटनेस बनाये रखने के लिए जिम या मैदान में दौड़ लगाने की जगह अलग-अलग प्रकार के स्पोर्ट्स खेलते हैं जिससे अपने को मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रख सकें। धोनी आईपीएल के इस 15 सत्र में भी सीएसके की कप्तानी करेंगे। पिछले सत्र में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता था। सीएसके ने मेगा नीलामी से पहले ही धोनी सहित कुल 4 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, ऋतुराज गायकवाड़ और मोईन अली टीम में शामिल हैं जबकि ड्वेन ब्रावो, फाफ डुप्लेसी और शार्दुल ठाकुर व दीपक चाहर को रिलीज कर दिया है। अब देखना होगा कि सीएसके नीलामी में इन्हें खरीदती है या नहीं। टीम पहले ही 4 खिलाड़ियों को रिटेन करने में 42 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है और उसके पास अब केवल 48 करोड़ रुपए बचे हैं।

ईसीसी ने जाइल्स की जगह स्ट्रॉस को बनाया प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एशेज सीरीज में टीम की करारी हार को देखते हुए टीम के प्रबंध निदेशक एश्ले जाइल्स को हटा दिया गया है। जाइल्स की जगह पर पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस अंतरिम तौर पर प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। इंग्लैंड को एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-0 से हार मिली थी। एशेज के बाद वेस्टइंडीज में 5 मुकाबलों की टी-20 सीरीज में भी टीम को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ईसीसी ने हालांकि कप्तान जो रुट को पद पर बनाये रखा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी टॉम हैरिसन ने कहा, ''इस बार एशेज सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हमें अब इस प्रकार के प्रदर्शन से बचना होगा। '' जाइल्स के रहते इंग्लैंड ने पहली बार एकदिवसीय विश्व कप जीता था पर टेस्ट प्रारूप में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। वहीं जाइल्स ने कहा, ''पिछले कुछ साल काफी चुनौतीपूर्ण रहे पर मुझे गर्व है कि कठिन हालातों में भी हम अच्छा प्रदर्शन कर सके। अब मैं अगली जिम्मेदारी लेने से पहले परिवार के साथ समय बिताऊंगा।'' गौरतलब है कि जाइल्स की जगह जिम्मेदारी संभालने वाले स्ट्रॉस ने इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट खेलकर 7037 रन बनाए थे। उनकी कप्तानी ने इंग्लैंड ने दो एशेज सीरीज जीतने के साथ नंबर एक टेस्ट रैंकिंग भी हासिल की थी।

शीतकालीन ओलंपिक : अमेरिकी खिलाड़ी सुरक्षा कारणों से स्मार्टफोन के बिना ही चीन जाएंगे

बीजिंग ।

चीन की राजधानी बीजिंग में 4 फरवरी से शुरु हो रहे शीतकालीन ओलंपिक खेलों में शामिल होने जा रहे अमेरिकी खिलाड़ी स्मार्टफोन नहीं ले जा सकेंगे। इसकी जगह उन्हें कामचलाऊ बर्नर फोन दिये जाएंगे। सुरक्षा को देखते हुए अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने यह कदम उठाया है। एफबीआई ने अपने एक बयान में अमेरिकी खिलाड़ियों को सामान्य फोन ले जाने से मना कर दिया है और उसकी जगह पर प्रीपेड बर्नर फोन का उपयोग करने कहा है। बर्नर फोन वह फोन होते है जो सस्ते के साथ-साथ कामचलाऊ होते हैं इनसे केवल आप फोन कर सकते है। जब तक खिलाड़ी बीजिंग में रहेंगे तब तक वह बर्नर फोन का ही इस्तेमाल करेंगे। उसके बाद इसे तोड़ दिया जाएगा।

एफबीआई का मानना है कि चीन में उनके खिलाड़ियों के फोन के सुरक्षा फीचर्स को बग के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। इसी से बचने के लिए एफबीआई ने अमेरिकी एथलीट्स को स्मार्टफोन नहीं ले जाने को कहा है। इस आदेश के मुताबिक, अमेरिकी एथलीट्स न तो अपना स्मार्टफोन ले जा पाएंगें और उन्हें अपना फोन घर पर ही छोड़कर जाना होगा। इस फोन की जगह सभी अमेरिकी एथलीटों को बर्नर फोन इस्तेमाल करने को कहा गया है। अमेरिका के अलावा अन्य कई पश्चिमी देशों ने भी अपने एथलीटों को स्मार्टफोन ले जाने से मना किया है। गौरतलब है कि चीन ने अपने देश में एडवांस्ड टेक्नो सर्विलांस इक्विपमेंट्स इंस्टॉल किए हैं। साथ ही फेशियल रिकग्निगेशन टेक्नोलॉजी भी इस्तेमाल की जा रहा है। यह साइबर सिक्योरिटी के लिहाज से खतरनाक चीजें हैं। इसी को देखते हुए एफबीआई को चीन पर संदेह है।

अमेरिका सहि कई देशें ने वैसे भी इन खेलों का कूटनीतिक बहिष्कर किया हुआ है। ऐसे में केवल खिलाड़ी ही चीन जाएंगे अधिकारी नहीं।

फेडरर और नडाल की योजना सितंबर में लेवर कप में खेलने की

लंदन । रोजर फेडरर और रफेल नडाल दोनों ने कहा है कि वे लेवर कप टेनिस टूर्नामेंट के अगले चरण में खेलेंगे। फेडरर घुटने की चोट के कारण जुलाई से टेनिस से बाहर हैं जबकि नडाल ने हाल में आस्ट्रेलियाई ओपन में रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता है। दोनों ने गुरूवार को एक बयान में कहा कि वे लंदन में 23 से 25 सितंबर तक टीम यूरोप का प्रतिनिधित्व करेंगे। फेडरर की प्रबंधन कंपनी ने यह प्रतियोगिता शुरू की थी। फेडरर ने कहा कि मैं इस साल के अंत में प्रतियोगिता में वापसी की कोशिश में जुटा हूं और लेवर कप मेरी योजना का हिस्सा है। नडाल ने पिछले साल उन्हें संदेश में सुझाव दिया था कि वे फिर से लेवर कप में एक साथ युगल खेल सकते हैं। 2017 में पहले लेवर कप के दौरान दोनों ने जोड़ी बनाते हुए युगल मैच जीता था। नडाल ने कहा कि अगर हम एक बार फिर से कोर्ट पर युगल जोड़ी के तौर पर उतरने में सक्षम होते हैं तो यह हमारे करियर के इस चरण पर हम दोनों के लिये सही में विशेष अनुभव होगा। यह लेवर कप का पांचवां चरण होगा। 2021 में न तो फेडरर ने और न ही नडाल ने इसमें शिरकत की थी। 40 वर्षीय फेडरर डेढ़ साल में घुटने की तीन सर्जरी कराने के बाद से नहीं खेले हैं, इससे पहले उन्होंने 7 जुलाई को विम्बलडन क्वार्टरफाइनल में हिस्सा लिया। फेडरर और नोवाक जोकोविच अब 20 ग्रैंडस्लैम खिताब से बराबरी पर हैं। आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले नडाल इन दोनों के साथ बराबरी पर थे, लेकिन ट्राफी जीतने से वह इन दोनों से आगे निकल गए।

वेंकटेश को रोहित के जोड़ीदार के तौर पर मिल सकता है अवसर

मुम्बई । टीम इंडिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के अलावा रुतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, श्रेयस अय्यर और नवदीप सैनी कोरोना संक्रमित हुए हैं। वहीं लोकेश राहुल पहले ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ छह फरवरी से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में आक्रामक बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर को सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के जोड़ीदार के तौर पर उतारा जा सकता है। ऑलराउंडर वेंकटेश आईपीएल 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे थे। तब उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा था। दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज अय्यर को हार्दिक पंड्या के विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। इसी कारण उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 पदार्पण का अवसर मिला जबकि इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें फिनिशर की भूमिका देना चाहता है। इसके लिए उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया। इस क्रिकेटर ने मध्य क्रम में खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी में आक्रामक बल्लेबाजी की थी।

फिलीपींस को हराकर कोरिया पहली बार एएफसी महिला एशियाई कप के फाइनल में पहुंचा

पुणे ।

कोरिया ने गुरूवार को यहां सेमीफाइनल में बेहतरीन खेल की बदौलत दबदबा बनाते हुए फिलीपींस को 2-0 से हराकर पहली बार एएफसी महिला एशियाई कप के फाइनल में प्रवेश किया। कोरिया के लिए चो सो ह्युन और सोन ह्वा यिओन ने पहले हाफ में गोल किए जिससे टीम ने फिलीपींस की शानदार लय तोड़ दी जिसने पहली बार इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कोरिया का सामना रविवार को फाइनल में गत चैम्पियन जापान और पूर्व चैम्पियन चीन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फिलीपींस की टीम अपने प्रयासों के लिए गर्व कर सकती है कि उसने मैच में अपना सब कुछ दिया। अब वह पहली बार 2023 फीफा महिला विश्व कप में खेलने के लिए तैयारी में जुट सकती है। एएफसी एशियाई कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सभी टीमें सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

कोरिया ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में टूर्नामेंट से पहले दावेदार मानी जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर उलटफेर किया था। उसने शुरू से ही जरा भी समय बर्बाद नहीं किया और चौथे ही मिनट में गोल कर दिया। चो सो ह्युन ने किम हाई रि की कार्नर किक को फिलीपींस की गोलकीपर ओलिविया मैकडैनियल को छकाते हुए गोल कर दिया। हालांकि फिलीपींस की टीम इससे प्रभावित नहीं दिखी।

कोरियाई खिलाड़ियों ने ज्यादातर समय गेंद पर कब्जा बनाये रखा। कोरियाई टीम बढ़त दोगुनी करने के प्रयासों में जुटी रही और 34वें मिनट में उन्हें इसका फल भी मिला जब सोन ने चो ह्यो

जू के क्रास पर गोल कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद फिलीपींस के मुख्य कोच एलेन स्टाजसिच ने कई खिलाड़ियों को मैदान पर भेजा लेकिन वे कोरियाई गोलकीपर किम जुंग मि की चुनौती को पार नहीं कर सकीं।

दूसरे हाफ में हालांकि कोरियाई टीम फिलीपींस की रक्षात्मक पंक्ति को भेद कर मौका हासिल नहीं कर सकी। पर 67वें मिनट में उन्हें एक अच्छा मौका मिला था लेकिन यह नाकाम हो गया। अंतिम 15 मिनट में कोरिया ने हमले तेज कर दिये लेकिन उसकी खिलाड़ी गोल नहीं कर सकीं।

आईओसी ने 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में तीन शहरी खेलों को दी स्वीकृति

बीजिंग। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की मंजूरी के बाद 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शहर के लोकप्रिय खेल स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और 'स्पोर्टस क्लाइंबिंग को आधिकारिक रूप से शामिल कर लिया गया। दिसंबर में आईओसी ने 28 खेलों की शुरूआती सूची पर सहमति जताई थी, जिसके बाद इन खेलों को शामिल किए जाने के फैसले की उम्मीद थी। लास एंजिल्स आयोजकों ने इन तीन खेलों के शामिल किए जाने के फैसले का स्वागत किया है जिन्होंने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में पदार्पण किया था। आईओसी युवा दर्शकों को आकर्षित करने के लिए शहर के लोकप्रिय खेलों को बढ़ावा दे रहा है। दिलचस्प बात है कि मुक्केबाजी, आधुनिक पेंटाथलॉन और भारोत्तोलन को अभी तक शामिल नहीं किया गया है। इन्हें अगले साल शामिल किया जा सकता है, पर आईओसी बोर्ड द्वारा तय किए गए लक्ष्यों को पूरा होने के बाद ही ऐसा किया जा सकता है। लास एंजिल्स आयोजकों द्वारा सुझाए गए खेलों को भी जगह दी जा सकती है। इसमें ब्रेकडांसिंग या बेसबॉल और साफ्टबॉल शामिल हो सकते हैं। पेरिस खेलों के आयोजकों के अनुरोध के बाद ब्रेकडांसिंग खेल 2024 ओलंपिक में पदार्पण करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियों में आपकी सेहत

इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। यह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रात- एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।
- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रात- व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय

सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडऩा, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रात- टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रात- उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ

स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

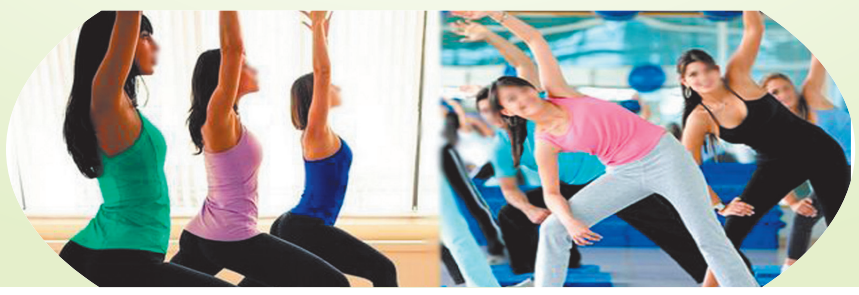

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन

- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।

सार समाचार

दवाई की पाकिस्तान में भारी किल्लत, कोरोना और डेंगू ने बरपाया कहर

इस्लामाबाद। कोरोना महामारी के कहर के बीच हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में पैरासिटामोल दवाई की भारी किल्लत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुतबिक, पाकिस्तान में पैरासिटामोल की किल्लत इतनी ज्यादा हो गई है कि अब यह काला बाजार में बिक रहा है। पाकिस्तान के ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी के एक अधिकारी ने देश में डेंगू के मामलों की संख्या बढ़ाने के लिए दवाओं की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। बता दें कि, पाकिस्तान में इस समय पैरासिटामोल कोविड -19 रोगियों को दिया जा रहा है और इसके अलावा इस दवाई का इस्तेमाल बुखार और सिर दर्द के दौरान किया जाता है। भारी कमी के बाद पाकिस्तान के ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी ने कम से कम 15 दवा कंपनियों को लाइसेंस होने के बावजूद पैरासिटामोल बनाने में विफल रहने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पाकिस्तान में कोरोना के मामले एक लाख के पार

जानकारी के लिए बता दें कि, पाकिस्तान में सक्रिय कोविड-19 संक्रमितों की संख्या एक लाख को पार कर गई है। साल 2020 में, पैरासिटामोल सहित कुछ जेनेरिक दवाओं की कमी का जोखिम दुनिया भर में बढ़ गया जब भारत ने कोविड -19 ओवरडोज के कारण कुछ दवाओं के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था। भारत जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।

पाकिस्तान में सुरक्षा चौकियों पर हमला, एक सैनिक और चार हमलावरों की मौत

कराची (पाकिस्तान)। हथियारों से लैस हमलावरों ने पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों के दो शिविरों पर हमला कर दिया, जिसके बाद भीषण गोलीबारी में कम से कम चार आतंकवादी और एक सैनिक मारा गया। सेना की मीडिया इकाई ने यह जानकारी दी। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बुधवार को पंजगुर और नौशकी जिलों में हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। पंजगुर में, हमलावरों ने दो स्थानों से सुरक्षा बलों के शिविर में प्रवेश करने की कोशिश की, जबकि नौशकी में उन्होंने फ्रंटियर कोर (एफसी) पोस्ट में घुसने का प्रयास किया था, जिसका 'माकूल जवाब दिया गया।' सेना की मीडिया इकाई 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, 'दोनों हमलों का माकूल जवाब दिया गया..' आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी और एक सैनिक की मौत हो गई। एक अधिकारी हमले में घायल हो गया। अभी भी 'रुक-रुककर गोलीबारी' जारी है। इससे पहले, फ्रंटियर कोर के एक प्रवक्ता ने पंजगुर और नौशकी स्थित शिविरों के पास दो विस्फोट होने की पुष्टि की थी, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हुई। बीएलए ने एक बयान जारी कर इन हमलों की जिम्मेदारी ली। अलगाववादी संगठन ने हाल ही में सुरक्षा बलों और प्रतिष्ठानों पर हमले बढ़ा दिए हैं।

पत्रकारों, विरोधियों और मानवाधिकार कार्यकताओं पर नजर रखने के लिए खरीदा गया था पेगासस!

वाशिंगटन। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एनएसओ ग्रुप से स्पाइवेयर 'पेगासस' खरीदने की पुष्टि की है। आरोप हैं कि इसका इस्तेमाल पत्रकारों, विरोधियों और मानवाधिकार कार्यकताओं पर नजर रखने के लिए लंबे समय से किया जा रहा है। एनएसओ, इजराइल की एक सॉफ्टवेयर कम्पनी है। एफबीआई का कहना है कि 'पेगासस' खरीदने के पीछे उसकी मंशा 'उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ कदम मिलाकर चलना था।' एजेंसी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि उसने इजराइल की कम्पनी से 'केवल उत्पाद परीक्षण और मूल्यांकन के लिए' एक सीमित लाइसेंस प्राप्त किया था और कभी भी किसी भी जांच के लिए इसका उपयोग नहीं किया। आलोचकों का हालांकि कहना है कि अगर कोई खास मकसद नहीं था तो प्रमुख अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसी को एक कुख्यात निगरानी उपकरण खरीदने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। एफबीआई के प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि एजेंसी ने एनएसओ समूह को कितना भुगतान किया या कब किया, लेकिन 'द न्यूयॉर्क टाइम्स ने पिछले सप्ताह एक खबर में दावा किया था कि 2019 में इसके परीक्षण के लिए 50 लाख डॉलर का भुगतान कर एक साल का लाइसेंस प्राप्त किया गया था।

आतंकियों का खूनी खेल जारी, बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर जानलेवा हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान में कुछ अज्ञातों द्वारा सेना की चौकियों में हमला किया गया। सशस्त्र हमलावरों ने पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में दूरदराज के इलाकों में बुधवार देर रात दो सुरक्षा चौकियों को निशाना बनाया, जिसके चलते हुई मुठभेड़ में कम से चार हमलावर और एक सैनिक की मौत हो गयी। बाद में, नवगठित बलूचिस्तान नेशनलिस्ट आर्मी ने ट्विटर पर एक पोस्ट कर इन हमलों की जिम्मेदारी ली।

पाकिस्तान सेना की सुरक्षा चौकियों पर आतंकियों का हमला

सेना के एक बयान के मुताबिक पहला हमला बलूचिस्तान जिले के बांजगुर जिले में हुआ। मुठभेड़ में एक सैनिक की जान चली गई। बयान में कहा गया है कि कुछ घंटे बाद हमलावरों ने बलूचिस्तान के नौशकी स्थित एक सुरक्षा शिविर में घुसने की कोशिश की, लेकिन सैनिकों ने उनकी कोशिश नाकाम कर दी और चार हमलावरों को मार गिराया। बयान के मुताबिक, मुठभेड़ जारी है।

सेना ने कहा, आतंकियों के मंसूबे विफल

पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को एक बयान में कहा, ₹आतंकवादियों को भारी नुकसान पहुंचाते हुए₹ हमलों को ₹सफलतापूर्वक₹ विफल कर दिया गया। बयान के अनुसार, पंजगुर जिले में पहले दो हमलों के दौरान गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई। कुछ घंटे बाद, हमलावरों ने उत्तर में लगभग 500 किलोमीटर (300 मील) नौशकी जिले में एक सुरक्षा शिविर में घुसने की कोशिश की,

लेकिन सैनिकों ने इस प्रयास को विफल कर दिया और चार हमलावरों को मार गिराया। सेना ने कहा कि हमले में एक सैनिक भी घायल हो गया। उन्होंने कहा कि रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है।

आकंतियों ने खाई कसम जारी रहेगा खूनी खेल

बलूचिस्तान हाल के वर्षों में कई हमलों का स्थल रहा है। बलूचिस्तान नेशनलिस्ट आर्मी की स्थापना पिछले महीने हुई थी जब दो छोटे अलगाववादी समूहों - बलूचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी और यूनाइटेड बलूच आर्मी - का विलय हो गया था और हमलों को जारी रखने की कसम खाई थी। ताजा हिंसा बलूचिस्तान प्रांत के केच शहर में एक सुरक्षा चौकी पर हमले में सशस्त्र लड़ाकों द्वारा 10 सैनिकों के मारे जाने के एक हफ्ते बाद हुई है, जो लंबे समय से सशस्त्र विद्रोह का स्थल रहा है। बलूचिस्तान में अलगाववादी इस्लामाबाद में केंद्र सरकार से आजादी की मांग करते रहे हैं। हालांकि पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने सशस्त्र विद्रोह को दबा दिया है, बलूचिस्तान में हिंसा जारी है।

इथोपिया में अफ्रीकी यूनियन और अफ्रीका के लिए संयुक्त राष्ट्र वित्त आयोग के सदस्य एकसाथ तस्वीर खिंचाते हुए।

खास प्लान पर काम कर रहा चीन, घंटे भर में अमेरिका तक होगी पहुंच

चीनी कंपनी ने एक ऐसे हाइपरसोनिक विमान की योजना पेश की है जिसके जरिये महज एक घंटे में ही अमेरिका तक पहुंचा जा सकता है। रॉकेट विद विंग्स' को आश्चर्यजनक रूप से 7,000 मील प्रति घंटे की गति से उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया जा रहा है और परीक्षण अगले साल शुरू होने वाला है। वैज्ञानिकों को इसके साल 2024 तक हवा में उड़ने के लिए तैयार होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार स्पेस ट्रांसपोर्टेशन द्वारा फ्यूचरिस्टिक प्लेन विकसित किया जा रहा है।

60 मिनट में अमेरिका तक पहुंच जाएगा

कंपनी का दावा है कि वह सिर्फ एक घंटे में न्यूयॉर्क को चीन की राजधानी से जोड़ने में सक्षम होगी। फर्म ने चीनी मीडिया को बताया, 'हम हाई-स्पीड, पॉइंट-टू-पॉइंट ट्रांसपोर्टेशन के लिए एक पंखों वाला रॉकेट विकसित कर रहे हैं, जो उपग्रहों को ले जाने वाले रॉकेटों की तुलना में कम लागत और पारंपरिक विमानों की तुलना में तेज है।

एक घंटे में धरती के किसी भी कोने में पहुंच जाएंगे

हाइपरसोनिक विमान चीन की हाई-टेक योजनाओं में प्रमुख हैं क्योंकि देश ने इस क्षेत्र में बड़ी मात्रा में पैसे बहाया है। पिछले साल ही चीन ने एक ऐसे विमान की योजना का अनावरण किया था जिसमें 10 लोग बैठ सकेंगे और एक घंटे में धरती के किसी भी कोने में पहुंच जाएंगे। इसके अलावा चीन 9656 किलोमीटर प्रति घंटे की गति वाली न्यूक्लियर मिसाइल इंजन भी तैयार कर रहा है।

रूस से तनाव पर यूक्रेनी विदेशमंत्री ने भारत सरकार से मांगी मदद

कीव (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन के हजारों की तादाद में सैनिक मिसाइलों और भारी हथियारों के साथ सीमा पर जमा हैं। अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूसी हमले की आशंका हैं,वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति शांति पर जोर दे रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दमयत्रो कुलेबा ने रूस के शांति की बहाली में भारत से मदद की गुहार लगा दी है। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका असर पड़ेगा। दमयत्रो कुलेबा ने कहा कि भारत रूस को यह स्पष्ट तरीके से बता सकता है कि यूक्रेन मित्र है, और भारत का भागीदार है।भारत रूस की ओर से वर्तमान संकट को सुलझाने के लिए सैन्य तरीके से या अंदर से ही अस्थिर करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार्य मानता है। उन्होंने कहा, यदि रूस यह भारत सरकार की ओर से सुनता है,तब यह समर्थन का बहुत सख्त संदेश होगा और इसका एक असर होगा।'

यूक्रेनी विदेश मंत्री का यह बयान उस समय पर आया है, जब भारत ने कूटनीतिक तरीके से ताजा हालात के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन मुद्दे पर हुई वोटिंग से दूरी बनाए रखी। माना जा रहा है कि भारत इस मुद्दे पर किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं करना चाहता था। अगर भारत रूस के पक्ष में वोट देता,तब अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश नाराज हो सकते थे। वहीं, अगर भारत यूक्रेन के समर्थन करता,तब इससे रूस के साथ रिश्तों पर गंभीर असर पड़ सकता था। इसके बाद भारत ने बीच का रास्ता चुनते हुए मतदान से दूरी बनाए रखी। यूक्रेन और रूस के बीच इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। रूस ने अपनी सीमा पर 1 लाख सैनिकों को भारी हथियारों के साथ तैनात किया हुआ है। वहीं यूक्रेन भी अमेरिका और बाकी नाटो देशों के हथियारों को रूसी सीमा पर भेज रहा है। यूक्रेन में भारतीय छात्रों के बारे में यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि हम भारतीय छात्रों के यूक्रेन के जीवन में योगदान की प्रशंसा करते हैं। मैं भारतीय छात्रों से कहना चाहता हूं कि दुनिया में यूक्रेन की तुलना में और ज्यादा जटिल और खतरनाक जगहें हैं।वे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं, अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं और अपने जीवन का पूरा आनंद ले सकते हैं।

शत्रुओं के तीन ड्रोन गिराए, देश पर यह चौथा हमला; हूती विद्रोहियों पर किया जा रहा संदेह

दुबई। (एजेंसी)

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बुधवार देर रात देश की ओर दागे गए कई ड्रोन को बीच में ही रोक कर नष्ट कर दिया। संयुक्त अरब अमीरात की सेना ने बताया कि हाल के हफ्तों में हुआ यह चौथा हमला है। सेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ड्रोन किसने लक्षित किए थे, लेकिन हालिया घटनाओं को देखते हुए संदेह यमन के ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों पर किया जा रहा है। हूती विद्रोहियों ने हाल में यूएई पर हुए कई ड्रोन और मिसाइल हमलों की जिम्मेदारी ली है। अमीरात रक्षा मंत्रालय ने बुधवार आधी रात को ट्विटर पर एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उसने तीन 'शत्रु ड्रोन' नष्ट कर दिए हैं, जिन्होंने देर रात संयुक्त अरब अमीरात को निशाना बनाया था। मंत्रालय ने बिना विस्तृत जानकारी दिए कहा कि ड्रोन को 'आबादी वाले क्षेत्र से दूर' रोका गया। विद्रोहियों के 2015 में यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद से ही हूती सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला कर रहा है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात शामिल भी है। गौरतलब है कि यमन के हूती विद्राहियों ने सबसे पहले पिछले महीने अमीरात पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए थे। अमेरिका और अमीरात बलों ने संयुक्त रूप से पिछले दो हवाई हमलों को रोक था। इनमें से एक हमला इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग के खाड़ी अरब देश की एतिहासिक यात्रा के दौरान किया गया था। वहीं, अबू धाबी पर पिछले महीने हूती विद्राहियों द्वारा किए गए हमले में भारत और पाकिस्तान के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हुए थे। हूती विद्रोहियों की ओर से बृहस्पतिवार को किए गए ड्रोन हमले को लेकर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

स्मार्टफोन नहीं कामचलाऊ बर्नर फोन लेकर बीजिंग जाएंगे अमेरिकी एथलीट, हैक होने का खतरा

(एजेंसी)

चीन की राजधानी बीजिंग में 4 फरवरी से शातीकालीन ओलंपिक शुरू होने वाले है। इस खेल के लिए जहां चीन काफी बेसब्री से इंतजार कर रहा है वहीं अमेरिका समते कई देशों ने इस खेलों का डिप्लोमैटिक बायकॉट कर दिया है। इस बीच अमेरिका ने अपने एथलीटों और खिलाड़ियों के सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई ने एक बयान जारी किया है जिसके मुताबिक, अमेरिकी एथलीट्स को रेगुलर फोन ले जाने से मना कर दिया है और उसकी जगह पर प्रीपेड बर्नर फोन क इस्तेमाल करने को कहा है। बता दें कि, बर्नर फोन वह फोन होते है जो सस्ते के साथ-साथ कामचलाऊ होते हैं जिससे केवल आप फोन कर सकते है। जब तक खिलाड़ी बीजिंग में रहेंगे तब तक वह बर्नर फोन का ही इस्तेमाल करने का कहा गया है और बाद में इसे नष्ट कर दिया जाएगा। आसान भाषा में समझें तो बर्नर का मतलब यूज एंड थ्रो होता है।

ऐसा करने की सलाह क्यों?

जानकारी के लिए बता दें कि, अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को लगता है कि, उनके एथलीट्स के फोन के सेफ्टी फीचर्स को बग के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। चीन इस हरकत को अंजाम देने में आम हैं। वह अपने देश के नागरिकों को नहीं छोड़ता तो अमेरिका के लोग कहां से सुरक्षित हो सकते हैं। इसी से बचने के लिए एफबीआई ने अमेरिकी एथलीट्स को यह सख्त आदेश जारी कर दिया है। इस आदेश के मुताबिक, अमेरिकी एथलीट्स न तो अपना स्मार्टफोन ले जा पाएंगें और उन्हें अपना फोन घर पर ही छोड़कर जाना होगा। इस फोन की जगह सभी अमेरिकी एथलीटों को टेम्परेरी फोन इस्तेमाल करने को कहा गया है। अमेरिका के अलावा अन्य कई और पश्चिमी देशों ने अपने एथलीटों को स्मार्टफोन ले जाने से मना किया है।

चीन पर नहीं भरोसा

बता दें कि एफबीआई चीन पर पिछले साल फरवरी से ही नजर रख रही है। बताया जा रहा है कि, चीन ने अपने देश में एडवांस्ड टेक्नो सर्विलांस इक्विपमेंट्स इंस्टॉल किए हैं। साथ ही फेशियल रिकग्निगेशन टेक्नोलॉजी भी इस्तेमाल की जा रहा है। यह साइबर सिक्योरिटी के लिहाज से खतरनाक चीजें हैं।

भुखमरी से गुजर रहे अफगानिस्तान को भारत की 50,000 टन गेहूं मदद की प्रक्रिया अगले हफ्ते से होगी शुरू

इस्लामाबाद (एजेंसी)

युद्धग्रस्त हालातों से गुजर रहे अफगानिस्तान में भुखमरी के हालात हैं। भारत द्वारा अफगानियों की मदद के लिए पाकिस्तान के रास्ते 50 हजार टन गेहूं की खेप भेजने की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है और एक महीने के भीतर इसकी आपूर्ति हो जाएगी। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद ममुंडजाय ने बुधवार को यह जानकारी दी। फरीद ममुंडजाय ने अफगानिस्तान के लिए विकास सहायता के रूप में भारत के 2022-23 के बजट में200 करोड़ रुपये के आवंटन का भी स्वागत किया और कहा कि यह कठिन समय में अफगानिस्तान के लोगों का समर्थन करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा अफगानिस्तान के लोगों के लिए जो सद्भावना और उदारता दिखाई है, उसे प्रदर्शित करने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। अफगानिस्तान के राजदूत ने कहा कि गेहूं की आपूर्ति 10 से 12 फरवरी के बीच शुरू होने की उम्मीद है। अफगानिस्तान के दूतावास में एक कार्यक्रम के इतर राजदूत ने संवाददाताओं से कहा, भारत अगले एक या दो सप्ताह में 50,000 टन गेहूं की आपूर्ति करने जा रहा है और यह आपूर्ति एक महीने में पूरी हो जाएगी। अफगानिस्तान के लोगों की मदद करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए भारत ने मंगलवार को चाबहार बंदरगाह परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित करने के अलावा अफगानिस्तान को विकास सहायता के रूप में 200 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

बाइडन ने पौलेंड और जर्मनी में 2,000 सैनिक तैनाती के आदेश दिया

जर्मनी से रोमानिया में 1,000 और सैनिक किए जा रहे हैं स्थानांतरित

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पोलैंड और जर्मनी में 2,000 अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है और जर्मनी से रोमानिया में 1,000 और सैनिक स्थानांतरित किए जा रहे हैं। पेंटागन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ऐसा कर बाइडन यूक्रेन पर रूस के सैन्य आक्रमण की आशंका के बीच नाटो के पूर्वी हिस्से पर अपने सहयोगियों के प्रति अमेरिकी कटिद्धता प्रदर्शित करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए इस तैनाती को निराधार और विनाशकारी बताया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ फोन पर बातचीत भी की। हालांकि, दोनों देशों की सरकारों की ओर से जारी बयानों से प्रतीत होता है कि मामले को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई। पुतिन ने कहा कि कि रूस की सुरक्षा चिंताओं पर पश्चिम कोई ध्यान नहीं दे रहा, वहीं जॉनसन ने यूक्रेन की सीमा पर रूस की शत्रुतापूर्ण गतिविधि के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और वहां तैनात रूस के 100,000 सैनिकों का जिक्र भी किया। बाइडन प्रशासन अब संकट के राजनयिक समाधान खोजने के प्रयासों को कम किए बिना अमेरिकी प्रतिबद्धता दशार्ने की कोशिश कर रहा है।

बाइडन प्रशासन ने हालांकि, नाटो के पूर्वी हिस्से में बाल्टिक देशों एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया में सैनिक नहीं भेजे हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि शीघ्र ही की जाने वाली अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती का मकसद अमेरिका और संबद्ध सहयोगियों का मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने कहा ?कि यह स्थायी कार्रवाई नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रूस लगातार यूक्रेन सीमा के पास सैनिकों की तैनाती कर रहा है, यहां तक की पिछले 24 में भी उसने ऐसा किया है, जबकि अमेरिका उससे लगातार स्थिति नहीं बिगड़ने देने की अपील कर रहा है। इस बीच रूस के उपविदेश मंत्री एलेक्जेंडर ग्रुशको ने संवाद समिति इंटरफैक्स से कहा ?कि बेबुनियाद विध्वंसक कदमों से सैन्य तनाव बढ़ेगा ही और राजनीतिक निर्णयों के लिए गुजाइंश कम होगी।

नेपाल-भारत सीमा पर नौ सीमा स्तंभ नदियों में बह गये

काठमांडू। कैलाली जिले में भारत से लगी सीमा पर नौ स्तंभ करनाली और मोहना नदियों में बह गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। कैलाली जिले में 101 किलोमीटर लंबी सीमा पर सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) की 18 सीमा चौकियां हैं, जो सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ स्तंभों का निरीक्षण, निगरानी और सुरक्षा करती हैं। एपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि कैलाली जिले में भारत की सीमा से लगे दो मुख्य और सात छोटे स्तंभ करनाली और मोहना नदियों में बह गए। एपीएफ के उपाधीक्षक धन बहादुर सिंह ने कहा कि सशस्त्र पुलिस बल जिन 283 सीमा स्तंभों देखभाल कर रहा है, उनमें से नौ इस साल नदियों में बह गए हैं।

पाकिस्तान: सेना की चौकियों पर हमला, चार हमलावर एक सैनिक मारे गये

क्वेटा(पाकिस्तान) सशस्त्र हमलावरों ने पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में दूरदराज के इलाकों में बुधवार देर रात दो सुरक्षा चौकियों को निशाना बनाया, जिसके चलते हुई मुठभेड़ में कम से चार हमलावर और एक सैनिक मारे गये। बाद में, नवगठित बलूचिस्तान नेशनलिस्ट आर्मी ने ट्विटर पर एक पोस्ट कर इन हमलों की जिम्मेदारी ली। सेना के एक बयान के मुताबिक पहला हमला बलूचिस्तान जिले के बांजगुर जिले में हुआ। मुठभेड़ में एक सैनिक की जान चली गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने लगा दी राहुल गांधी की क्लास

नई दिल्ली ।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान उचित संसदीय प्रक्रिया का पालन नहीं करने के लिए कांग्रेस सांसद (सांसद) राहुल गांधी की क्लास लगाई है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन के दौरान कहा था कि मैं सांसद को बोलने की अनुमति देता हूं। उनके इस बयान पर ओम बिरला ने कहा, 'यह अनुमति देने वाले आप कौन हैं? आप अनुमति नहीं दे सकते, यह मेरा अधिकार है। ओम बिरला ने आगे कहा आपके पास है किसी को अनुमति देने का अधिकार नहीं है। केवल कुर्सी के पास किसी को कोई भी अनुमति देने का अधिकार है कल राहुल गांधी जब सदन में मोदी सरकार पर हमलावर थे तो उन्होंने भाजपा सांसद कमलेश पासवान का भी नाम लिया। पासवना ने इसका विरोध किया और अपनी सीट से बोलने लगे। यह देख राहुल गांधी ने कहा, 'मैं एक लोकतांत्रिक व्यक्ति हूं और मैं दूसरे व्यक्ति को बोलने की अनुमति दूंगा।' उनके इस बयान पर चिढ़ते हुए अध्यक्ष बिड़ला से तीखी फटकार लगाई। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कांग्रेस नेता को यह कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए देखा गया, 'भारत पर एक राज्य के रूप में शासन नहीं किया जा सकता। राजा किसी की नहीं सुनते। वायनाड के सांसद ने दलित सांसद कमलेश पासवान का नाम भी लिया और जिन्होंने उनसे ठीक पहले सदन को संबोधित किया था। राहुल गांधी ने कहा, 'आप (पीएम मोदी) किसी की नहीं सुनते और यहां तक कि भाजपा में मेरे प्यारे भाई और बहन की भी नहीं। मैंने आज अपने दलित सहयोगी पासवान जी को बोलते हुए देखा। वह दलितों का इतिहास जानते हैं। वह जानते हैं कि 3,000 वर्षों से दलितों पर किसने अत्याचार किया है। लेकिन वह झिझक के साथ बोल रहे हैं। मुझे उन पर गर्व है। मुझे इस सज्जन पर गर्व है। उन्होंने मुझसे वही बात की है जो उनके दिल में है। लेकिन वह गलत पार्टी में है। चिंता मत कीजिए। घबराइए नहीं। पासवान ने कांग्रेस नेता पर पलटवार किया। राहुल गांधी ने कहा कि मैं गलत पार्टी में हूं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि बांसगांव के सांसद होने के बाद आज मैं अपनी पार्टी के कारण ही उनके ठीक बाद बोल पा रहा हूं। मेरी पार्टी ने मुझे तीन बार सांसद बनाया। मैं और क्या कर सकता हूं। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, राहुल गांधी, जो असम के नेताओं की उपस्थिति में कुत्तों को बिस्कुट खिलाना पसंद करते हैं और फिर उन्हें वही बिस्कुट देते हैं, उन्हें राजनीतिक शालीनता के बारे में बात करने वाले अंतिम व्यक्ति होने चाहिए। आलाकमान मानसिकता आईएनसी की है।

शिवसेना नेता संजय राउत तक पहुंची एक हजार करोड़ के जमीन घोटाले की आंच

नई दिल्ली ।

1 हजार 34 करोड़ के भूमि घोटाले में जांच की आंच अब शिवसेना नेता संजय राउत के घर तक पहुंच गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में प्रवीण राउत नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि प्रवीण राउत संजय राउत का करीबी है। राउत को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी ने सुजीत पाटकर नाम के शख्स के ठिकानों पर भी तलाशी ली। सुजीत संजय राउत की बेटी पूर्वशी और विदिता के फर्म में पार्टनर हैं। बताया जा रहा है कि प्रवीण राउत की पत्नी के खाते में संजय राउत की पत्नी के अकाउंट से पैसे ट्रांसफर किए गए थे। ईडी को इसके भी सबूत मिले हैं। प्रवीण राउत का रियल एस्टेट का कारोबार है। पुलिस का कहना है कि प्रवीण पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा था इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि हाउसिंग डिवेलपमेंट ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की एक उप कंपनी गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन ने अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके जमीन के फ्लोर स्पेस इंडेक्स में फेरबदल कर दिया। इश कंपनी को सिद्धार्थनगर इळाके में एक चॉल को विकसित करने का काम सौंपा गया था। वहां रहने वाले लोगों को बिना फ्लैट दिए ही उनकी जमीन बेच दी गई। इश मामले में ईडी ने पहले ही प्रवीण रावत की 72 करोड़ की संपत्ति कुर्क

की है। प्रमोटर राकेश वधावन और बेटे सारंग पर अन्य मामले में भी जांच चल रही है। पंजाब ऐंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक के 6118 करोड़ रुपये डुबाने के आरोप में ईडी जांच कर रही है। इस मामले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया गया है।

केसीआर की बपौती नहीं देश का संविधान : बसपा

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के नया संविधान बनाने के बयान को लेकर सियासी तूफान खड़ा हो गया है। पूर्व आईपीएस और तेलंगाना में बहुजन समाज पार्टी के मुख्य समन्वयक आरएस प्रवीन कुमार ने इस पर सीएम को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा है कि हमारे देश का संविधान ही 75 वर्षों से देश की शान और गौरव का विषय रहा है। ये कोई केसीआर की प्रापर्टी (बपौती) नहीं है। आपको बता दें कि केसीआर ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा था कि हमें एक नए संविधान को लिखने की जरूरत है। उन्होंने ये भी कहा कि वो इस बात पर विश्वास करते हैं। कुछ अन्य देशों ने भी जरूरत पड़ने पर ऐसा कर रहे हैं और अपने संविधान को दोबारा लिख रहे हैं। प्रवीन कुमार ने अपने एक ट्वीट में लिखा है कि हमारे देश के संविधान को बदलने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन हां, टीएसआर में मौजूद केसीआर जैसे नेताओं को जरूरत बदलने की जरूरत है। वे योंकि वो हर संविधानिक संस्थानों का मजाक बनाना चाहते हैं और वहां पर देश के करोड़ों लोगों की कीमत पर अपने खतरनाक एजेंडे को चलाना चाहते हैं। प्रवीन ने कहा कि क्या वो तेलंगाना में दोबारा से राजशाही लाना चाहते हैं या फिर जमीन और जमींदार प्रथा को शुरू कर लोगों का शोषण करना चाहते हैं या फिर वो अपने अधिकारियों के जरिए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर अपनी झोली भरना चाहते हैं।

18 मिनट में हवाई अड्डे से एम्स तक पहुंचाया हृदय

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने एक हरित गलियारा बना कर प्रतिरोपण के लिए एक हृदय को मात्र 18 मिनट में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंचाने में मदद की। अधिकारियों ने बताया कि विमानतल से अस्पताल तक की दूरी लगभग 16 किलोमीटर है और सामान्य यातायात में इस दूरी को तय करने में लगभग एक घंटा लगता है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) विवेक किशोर ने बताया कि एम्स की प्रोफेसर आरती विज की ओर से एक कॉल आई थी और उन्होंने विमानतल के टर्मिनल तीन से अस्पताल तक एक हृदय को ले जाने के लिए हरित गलियारा बनाने का अनुरोध किया। किशोर ने कहा कि विमानतल से एम्स तक गलियारे को बनाने का काम सफलतापूर्वक किया गया और इसके जरिये हृदय को पहुंचाया गया।

पंकज सिंह का प्रचार करने पहुंचे मनोज तिवारी का किया विरोध

गाजियाबाद ।

नोएडा में भाजपा प्रत्याशी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह का प्रचार करने पहुंचे सांसद मनोज तिवारी को विरोध का सामना करना पड़ा। मनोज तिवारी का विरोध कर रहे लोगों ने न सिर्फ उनके खिलाफ नारेबाजी की बल्कि उन्हें जूता तक दिखा दिया। उनके विरोध का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सेक्टर-17 की झुग्गियों का बताया जा रहा है। इसमें अखिलेश यादव जिंदाबाद का नारा लागाते हुए लोग उन्हें वापस जाने के लिए कह रहे हैं। इस बीच एक वोटर पहले नारे लगाता है फिर जूता दिखाकर विरोध करता है। गौरतलब है कि सांसद मनोज तिवारी नोएडा से चुनावी मैदान में उतरे पंकज सिंह का प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। वीडियो में एक महिला भी मनोज तिवारी का विरोध करती नजर आ रही है। वीडियो में नजर आ रहा है कि मनोज तिवारी के प्रचार के दौरान एक महिला भी अखिलेश यादव का नारा लगाते हुए वहां से चली जाती है। ये वीडियो नोएडा के सेक्टर-17 स्थित झुग्गी-झोपड़ी का बताया जा रहा है। मनोज तिवारी भाजपा प्रत्याशी के लिए डोर टू डोर कैंपेन करने पहुंचे थे। इसकी शुरुआत शाम को सेक्टर-17 झुग्गी झोपड़ी से हुई थी। यही उनका विरोध हो गया। विरोध के बावजूद मनोज तिवारी ने श्रमिक कुंज, सेक्टर-66, सेक्टर-71, सेक्टर-82 में डोर टू डोर कैंपेन चलाकर लोगो से पंकज सिंह को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। बता दें कि नोएडा के जे कॉलोनी में पूर्वांचल और बिहार के लोग भारी संख्या में रहते हैं। इन्हें जब मनोज तिवारी के आने की सूचना मिली तो भारी भीड़ एकत्रित हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भाईचारे के नाम पर वोट बैंक मजबूत करने की को शिश कर रही अखिलेश-जयंत की जोड़ी?

लखनऊ ।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी लगातार भाईचारे के नाम पर अपने वोट बैंक को मजबूत करने और नकारात्मक राजनीति के लिए भाजपा को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों नेताओं ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए शामली जिले के कैराना और गाजियाबाद का दौरा किया। कैराना हमेशा ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि भाजपा राज्य में सपा शासन के दौरान क्षेत्र से हिंदुओं के पलायन का मुद्दा उठाती रही है। अखिलेश यादव ने हाल ही में शामली में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कैराना पलायन की बात करने वालों को विधानसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश से पलायन करना होगा। भाजपा केवल नकारात्मकता की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा सपा-रालोद का गठबंधन भाईचारे के लिए है। यह यूपी में भाईचारा बनाम भाजपा के बीच की लड़ाई है। रालोद नेता जयंत चौधरी ने किसानों का मुद्दा उठाया और कहा कि केंद्रीय बजट में यूपी के किसानों को कुछ भी नहीं दिया गया है।

उन्होंने कह कि आमतौर पर बजट में चुनाव वाले राज्यों के लिए कुछ होता है लेकिन इस बजट में किसान, युवाओं और राज्य को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। गाजियाबाद के लोनी में में जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं के हाथों में गन्ने थे। यह इलाका गन्ना उत्पादक किसानों के लिए जाना जाता है। अखिलेश यादव ने वादा किया कि अगर सपा के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में आता है तो वह 15 दिनों के भीतर गन्ने का बकाया चुका देंगे। अखिलेश ने अपनी विजय रथ यात्रा के दौरान गाजियाबाद में कहा, यह एक गन्ना क्षेत्र है और किसान अपने गन्ने का समय पर भुगतान और बेहतर मूल्य चाहते हैं। उन्हें सपा-रालोद पर भरोसा है और हम उन्हें बकाया देंगे।

दिल्ली में बारिश और तेज हवाओं ने कंपकंपाया, कई प्रदेशों में पारा गिरने की आशंका

-पहाड़ों पर भारी बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार को तेज हवाओं के साथ तेज बारिश के चलते अधिकतम तापमान में और गिरावट आने से ठंड ने लोगों को कंपकंपाया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बुधवार को अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार और शुक्रवार को तेज हवाओं के साथ बारिश के कारण दिल्ली में अधिकतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बुधवार को अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई बारिश से हरियाणा और पंजाब में भी बारिश होने की संभावना है। इस विक्षोभ के कारण हिमालयी क्षेत्र में दो दिनों तक बर्फबारी होने का भी अनुमान है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है जबकि अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दो दिनों में दिल्ली में लगभग 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शुक्रवार को दिल्ली में हल्की बारिश या बूंदा बांदी के साथ, आंकड़े क्रमशः 11 डिग्री सेल्सियस और 18 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है। शनिवार से आसमान साफ होने की संभावना है और बारिश के बाद पारा भी चढ़ने की संभावना है। आईएमडी 2.5 मिमी और 15.5 मिमी के बीच 'प्रकाश' के रूप में, 15.6 मिमी और 64.4 मिमी के बीच 'मध्यम' के रूप में और 24 घंटे की अवधि में 64.5 मिमी से अधिक बारिश को 'भारी' के रूप में वर्गीकृत करता है। दिल्ली में 24 घंटे की अवधि में सबसे अधिक फरवरी में हुई है। इससे पहले 21 फरवरी, 1942 को 104.1 मिमी दर्ज की गई थी, जबकि महीने के लिए सबसे अधिक वर्षा 153.4 मिमी बारिश हुई।

-ममता बनर्जी का आरोप, राज्यपाल हर दिन लग्जरी ताज बंगाल से मंगवाते हैं खाना

राज्यपाल धनखड़ की सीएम ममता को चुनौती, कहा- आरोप सही साबित हुए तो दे दूंगा इस्तीफा

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ के बीच विचारों के टकरावों के बीच लगातार शीतयुद्ध जारी है। दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यपाल धनखड़ ने बुधवार को एक बार फिर सीएम बनर्जी पर निशाना साधा। राज्य के संवैधानिक प्रमुख धनखड़ ने अब चुनौती देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अगर सही साबित हो जाते हैं तो वह इस्तीफा दे देंगे। धनखड़ बनर्जी के उस आरोप पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें सीएम ने कहा था कि राज्यपाल हर दिन लग्जरी ताज बंगाल से खाना मंगवाते हैं।

धनखड़ ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री का बयान पढ़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह लोकतंत्र के लिए एक चुनौती है। यह बयान कि मैं ताज बंगाल से अपना भोजन मंगाता हूं, 100 प्रतिशत गलत है। मुख्यमंत्री को इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाना शोभा नहीं देता। अगर यह सही साबित होता है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। बनर्जी की टिप्पणी धनखड़ द्वारा मां कैंटीन के वित्तीय आवंटन पर सवाल उठाने के बाद आई है। मां कैंटीन महामारी की स्थिति के दौरान गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई एक सब्सिडी वाली सामुदायिक कैंटीन सुविधा है।

धनखड़ ने कहा, मैंने मां कैंटीन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए संवैधानिक आवंटन के बारे में कहा है। कैंटीन फरवरी 2021 के मध्य से चालू हुई, लेकिन संवैधानिक आवंटन 1 अप्रैल से किया गया था। राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में, यह देखना मेरा कर्तव्य है कि संविधान के अनुसार सभी मानदंडों का पालन किया जा रहा है या नहीं। मुझे ऐसा करने से कोई नहीं रोक सकता है। बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद, बनर्जी ने राज्यपाल के खिलाफ फिर से हमला किया और आरोप लगाया कि राजभवन से फाइलें जारी नहीं की जाती हैं।

आरोपों का खंडन करते हुए, धनखड़ ने कहा, फाइलों के बारे में जो बात की गई है, उसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। मेरी मेज पर एक भी फाइल लंबित नहीं है। अगर कोई मुद्दे लंबित हैं, तो उनकी सरकार को जवाब देना होगा। लेकिन सरकार जवाब देने में विफल रही है। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री की ओर से इस तरह के बेतुके आरोपों की निंदा की। धनखड़ कहा, मेरे खिलाफ गाली-गलौज और अपशब्दों का प्रयोग किया गया है, लेकिन मैं एक बात बहुत स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मुझे अपने संवैधानिक रास्ते पर चलने से कोई नहीं रोक सकता। मैं निर्वाचित नहीं हूं, यह सच है, लेकिन मैं संविधान से बंधा हूं और यह देखना मेरा कर्तव्य है कि संवैधानिक मानदंडों का पालन किया जाए। यह देखना मेरा संवैधानिक कर्तव्य है कि राज्य का शासन कानून के शासन के अनुसार हो और जब मैंने शपथ ली है, तो मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की ओर से उनकी तुलना घोड़े से करने को लेकर भी उनकी तीखी आलोचना की। संगठनात्मक चुनावों के बाद बोलते हुए, बनर्जी ने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान एक घटना का जिक्र करते हुए उनकी तुलना घोड़ों से कर दी थी। दरअसल बुधवार को राज्यपाल धनखड़ का बिना नाम लिए ममता बनर्जी ने कहा था कि घोड़ों का एक झुंड बंगाल भेजा गया है और मैंने गणतंत्र दिवस पर घोड़ों में से एक देखा और वह दिन-रात मेरा अपमान करता है।

संक्षिप्त समाचार

एसजीपीसी ने कांग्रेस पर सिख प्रार्थना विकृत करने का आरोप लगाया

अमृतसर । शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने कांग्रेस पर राजनीतिक हितों के चलते सिख प्रार्थना को विकृत करने का आरोप लगाया। एसजीपीसी ने इस संबंध में पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत भी दर्ज कराई। एसजीपीसी प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस ने सिख प्रार्थना की अंतिम पंक्तियों में छेड़छाड़ की और उसे अपने निजी एवं राजनीतिक हितों की खातिर बदले हुए रूप में उपयोग किया। सिख प्रार्थना या अरदास की आखिरी पंक्ति का मतलब है कि नानक , आपके नाम एवं आशीर्वाद से दुनिया में सभी तरक्की करे और शांति के साथ रहे। धामी ने एसजीपीसी के बयान में दावा किया` कि कांग्रेस पार्टी ने सिख शब्दावली के साथ छेड़छाड़ की और कई स्थानों पर अपने होर्डिंग बोर्डों में आपत्तिजनक सामग्री डाली एवं उसे आज पंजाब कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर भी पोस्ट कर दिया। धामी ने कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने निंदनीय कार्य किया है, जिससे संगत में असंतोष पैदा हो गया है।

किसानों के लिए मुसीबत बन गई बिन मौसम बरसात

नई दिल्ली । बिन मौसम बरसात किसानों के लिए नुकसान लेकर आई है। जनवरी महीने में हुई बारिश ने रबी की फसल को खासा नुकसान पहुंचाया है। किसानों का अनुमान था कि इस बार बंपर उत्पादन होगा लेकिन बारिश ने इसपर पानी फेर दिया। अब किसान सरकारी राहत के लिए आवेदन करने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक 16617 किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 50 से 100 फीसदी नुकसान का दावा किया है। लगभग 5 हजार एकड़ में गेहूं, सरसों और चने की फसल के नुकसान का दावा किया गया है। राज्य के कृषि विभाग के मुताबिक लगभग सभी जिलों से आवेदन किए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बारिश के बाद खेतों में पानी ठहरने से सरसों की फसल को बड़ा नुकसान हुआ है। वहीं गेहूं और जौ की फसल भी खराब हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक रेवाड़ी से कम से कम 2538 ऐप्लिकेशन मिले हैं। यहां बड़ी मात्रा में सरसों का उत्पादन होता है। इसके अलावा अंबाला से 2110, सोनीपत से 1806, रोहतक से 1770, नूह से 1435, चरखी दादरी से 1433, कुरुक्षेत्र से 930 और भिवानी से 901 आवेदन मिले हैं। अधिकारियों का कहना है कि बारिश की वजह से बड़े स्तर पर नुकसान हुआ है। बड़ा क्षेत्र ऐसा भी है जो कि बीमा योजना के तहत कवर नहीं है। कुरुक्षेत्र के एक किसान ने कहा, 'बारिश की वजह से 17 एकड़ में आलू की फसल बर्बाद हो गई। इसके अलावा सरसों और गेहूं की फसलों को भी नुकसान हुआ है। लेकन हमने कोई भी फसल बीमा नहीं ले रखा है।' हरियाणा स्टेट ऐग्रिकल्चर डिपार्टमेंट के जॉइंट डायरेक्टर डॉ. जगराज दांडी ने कहा कि 1,67000 किसानों ने मुआवजे का आवेदन किया है और वे चाहते हैं कि फिजिकल वेरिफिकेश किया जाए। काम शुरू कर दिया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री खट्टर ने भी कहा था कि जहां ज्यादा नुकसान हुआ है वहां किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

गोवा सरकार को लेकर करेंगे बड़ा खुलासा डबल इंजन को बताया ट्रबल इंजन सरकार: रणदीप सुरजेवाला

नई दिल्ली । देश के पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं। जिन्हें लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर कई तरह के आरोप लगा रही हैं। ऐसे में अब कांग्रेस की तरफ से गोवा की बीजेपी सरकार की पोल खोलने की बात कही गई है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वो एक खास प्रेस कॉन्फ्रेंस करने जा रहे हैं। जिसमें वो गोवा की डबल इंजन सरकार को लेकर कई खुलासे करेंगे। सुरजेवाला ने ट्वीट करते हुए लिखा, गोवा में स्वघोषित बीजेपी की डबल इंजन सरकार सिर्फ ट्रबल इंजन बनकर रह गई है। मैं आज 4 आई (I) का खुलासा करूंगा। जिनमें इनइक्वॉलिटी (असमानता), इनजस्टिस (अन्याय), इनकम डिस्पेरिटी (आय में असमानता) और इंफ्लेशन (महंगाई) शामिल है कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि वो 3 फरवरी दोपहर दो बजे गोवा के पीसीसी ऑफिस में मौजूद रहेंगे। जहां उन्होंने तमाम मीडियाकर्मियों को बुलाया गया है। यहां उन्होंने बीजेपी सरकार को एक्सपोज करने का दावा किया है। बता दें कि गोवा में सिर्फ एक ही चरण में 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। जिसके लिए तमाम पार्टियों ने पूरी तैयारी कर ली है। लोगों तक पहुंचने की कोशिश में नेता जुटे हैं। वहीं इस बार बीजेपी और कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी भी गोवा में अपना दावा पेश कर रही है.

राहुल गांधी के संसद में चीन पाकिस्तान वाले बयान पर भड़के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीते दिन लोकसभा में पेगासस, चीन, बेरोजगारी समेत अन्य कई मुद्दों पर बात करते हुए मोदी सरकार से कड़े सवाल किए। जिसके बाद कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने राहुल गांधी पर पलटवार किया। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा अभी अगर नरेंद्र मोदी नहीं होते और कांग्रेस होती तो चीन सारी ज़मीन हड़प लेता। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बयान देते हुए कहा कि, राहुल गांधी चीन की कठपुतली जैसा खुद को दिखा रहे हैं। 1962 में हमारी कितनी हजारों किलोमीटर ज़मीन गई उसकी चर्चा करें। अभी अगर नरेंद्र मोदी नहीं होते और कांग्रेस होती तो चीन सारी ज़मीन हड़प लेता। दरअसल, राहुल गांधी ने कल लोकसभा में सरकार को घेरते हुए कहा कि, केंद्र सरकार की नीति के कारण ही आज चीन एवं पाकिस्तान एक साथ आ गए हैं। कांग्रेस सांसद ने सत्तापक्ष से मुखातिब होते हुए कहा, ''आप खतरे से खेल रहे हैं। मेरी सलाह है कि रुक जाइए।'' सीमा पर चीन की आक्रामकता और पाकिस्तान की सीमा से जुड़ी चुनौती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''आप खतरे को हल्के में मत लीजिए। आप चीन और पाकिस्तान को साथ ला चुके हैं, यह भारत के लोगों के साथ सबसे बड़ा अपराध है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे कोई संदेह नहीं है कि चीन के पास स्पष्ट योजना है। इसकी बुनियाद डोकलाम और लद्दाख में रख दी गई है। यह देश के लिए बहुत बड़ा खतरा है। आपने जम्मू-कश्मीर और विदेश नीति में बहुत बड़ी रणनीतिक गलतियां की हैं। आपने दो मोर्चों को एक मोर्चे में बदल दिया है। बता दें, संसद के बजट सत्र के दौरान आज भी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दोनों सदनों में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा जारी रहेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

विंटर ओलंपिक का बायकॉट करेगा भारत गलवान को लेकर चीन के रुख पर लगाई लताड़

नई दिल्ली ।

भारत के साथ गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प में जख्मी जवान को चीन की ओर से विंटर ओलंपिक मशाल थमाए जाने पर भारत सरकार ने अपनी बात रखी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इसे अफसोसजनक बताया है। उन्होंने कहा है कि चीन ने गलवान मुठभेड़ में शामिल एक चीनी कमांडर को मशालची बनाकर चीन ने विंटर ओलंपिक्स का राजनीतिकरण किया है। उन्होंने बीजिंग विंटर ओलंपिक्स में भारत के शामिल होने के सवाल पर कहा है कि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास में भारत के प्रभारी राजदूत ओलंपिक के उद्घाटन और समापन समारोह में नहीं शामिल होंगे। एक ओर चीन ने लगातार कहा है कि बीजिंग विंटर ओलंपिक्स को लेकर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। अमेरिका सहित कई युरोपिटी देशों द्वारा ओलंपिक्स को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, जिसका चीन विरोध कर रहा है। वहीं दूसरी ओर चीन ने खुद विंटर ओलंपिक्स को राजनीति का मैदान बनाया हुआ है और इसके जरिए अपना प्रोपगेंडा फैला रहा है। भारत के साथ गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प में जख्मी जवान को चीन की ओर से विंटर ओलंपिक मशाल थमाए जाने की अमेरिका ने निंदा की है। चीन के इस कदम को शर्मनाक करार देते हुए अमेरिका ने कहा कि यह खेलों के राजनीतिकरण करने का प्रयास है। भारत और चीन के बीच लद्दाख सहित कई इलाकों में बॉर्डर विवाद को लेकर तनाव जारी है। दोनों पक्षों के बीच अब तक 14 दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सका है। हालांकि दोनों देशों ने आपस में मसला सुलझाने की बात कही है और किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का विरोध किया है।

सपा प्रमुख धारा 370 हटाने का विरोध कर वोट बैंक की राजनीति कर रहे थे - अमित शाह

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता अमित शाह ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा प्रमुख धारा 370 हटाने का विरोध कर वोट बैंक की राजनीति कर रहे थे। अमित शाह ने दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के लोनी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ÷चाहे तैमूर लंग से लड़ना हो या अंग्रेजों से.... लोनी की इस भूमि ने कभी पीठ नहीं दिखाई....धारा 370 हटाने का अखिलेश यादव क्यों विरोध कर रहे थे? क्या वोट बैंक के लिए आप विरोध कर रहे थे? अमित शाह ने कहा, 'आजम खान कहां है.... जेल में है। अतीक अहमद कहां है...जेल में है...मुख्तार अंसारी कहां है...जेल में है...2022 का चुनाव उत्तर प्रदेश के माफियाओं को चुन चुन कर खत्म करने का चुनाव है....2022 का चुनाव उत्तर प्रदेश को सबसे विकसित राज्य बनाने का चुनाव है।'

स्कूल खोलने पर फैसला लें राज्यः केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शिक्षकों और अन्य स्टाफ का बड़े पैमाने पर टीकाकरण पूरा होने और कोरोना की तीसरी लहर में आ रही गिरावट को देखते हुए केंद्र ने राज्यों से स्कूल खोलने पर फैसला लेने को कहा है। शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वीटी चांगसान ने कहा कि राज्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद इस सिलसिले में पहले ही दिशा निर्देश में संशोधन किया जा चुका है। वहीं, नीति आयोग के सदस्य और टीकाकरण पर टास्कफोर्स के प्रमुख डाक्टर वीके पाल ने कहा कि केंद्र सिर्फ यह चाहता है कि स्कूल खुलने की स्थिति में कोरोना प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। स्वीटी चांगसान के अनुसार देश में स्कूल के शिक्षकों और अन्य स्टाफ के 95 फीसद से अधिक का संपूर्ण टीकाकरण हो चुका है। उनके अनुसार राज्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद जारी नई गाइडलाइंस में स्कूल में छात्रों की फिजिकल उपस्थिति के लिए अभिभावकों की सहमति की अनिवार्यता को हटा दिया गया है। अब राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन को इस संबंध में फैसला लेने की छूट दे दी गई है। उन्होंने साफ किया कि नई गाइडलाइंस के अनुसार स्कूल खोलने का फैसला लेने के लिए राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन स्वतंत्र हैं। स्कूल खोले जाने की जरूरत पर बल देते हुए डाक्टर वीके पाल ने कहा कि कोरोना के कारण बच्चों की पढ़ाई का बहुत नुकसान हो चुका है। यह पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के बिना स्कूलों को खोलना पहले संभव नहीं था, लेकिन अब शिक्षकों व स्टाफ में अधिकांश के टीकाकरण होने के कारण स्कूलों को खोला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अब स्कूल खोलना संभव है और फिजिकल क्लास भी संभव है। उनके अनुसार देश के 265 जिलों में कोरोना संक्रमण की दर पांच फीसद से नीचे आ गई है, इन जिलों में स्कूलों के साथ-साथ अन्य गतिविधियों की पूरी इजाजत दी जा सकती है।

95 फीसद शिक्षकों व स्कूल स्टाफ का टीकाकरण हुआ पूरा

चुनावों को लेकर पीएम मोदी ने कसी कमर करेंगे वर्चुअल रैली को संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तराखंड चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमर कस ली है। उत्तराखंड विधानसभा के लिए पीएम मोदी चार चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। ये सभी रैलियां वर्चुअली आयोजित की जाएंगी। शुक्रवार से पीएम इन चुनावी रैलियों का आगाज करेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को प्रधानमंत्री उत्तराखंड के 4 जिलों के एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं की रैली को संबोधित करेंगे। इन रैलियों के उत्तराखंड के चार जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत और पिथौरागढ़ में आयोजित होने की जानकारी मिली है। गौरतलब है कि उत्तराखंड में 70 सदस्यीय विधानसभा के लिये 14 फरवरी को एक ही चरण में वोटिंग होनी है। ऐसे में तमाम पार्टियों ने कमर कस ली है। यह भी उल्लेखनीय है कि कोरोना के खतरे के मद्देनजर चुनाव आयोग ने सभी तरह की रैलियों और रोड शो पर आंशिक प्रतिबंध लगा रखे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था विषय पर उत्तराकंड और देश के अन्य राज्यों में पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया था। प्रधानमंत्री के संबोधन को उत्तराखंड के सभी 13 जिलों के कार्यकर्ताओं ने एलईडी और डिजिटल स्क्रीन पर पीएम मोदी का भाषण सुना था। इस अवसर पर देहरादून में एक सभागार में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया था। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे थे।

अमेरिकी सेना ने ISIS चीफ अबू इब्राहिम को सीरिया में मार गिराया, राष्ट्रपति बाइडेन बोले- यह बड़ी जीत

(एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट(आईएस) के शीर्ष नेता अबू इब्राहिम अल हाशिमी अल कुरैशी को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने गुरुवार को पश्चिमोत्तर सीरिया के उसी प्रांत में इस अभियान को अंजाम दिया है, जहां पर अमेरिका के विशेष बलों ने 2019 में आईएस के नेता अबू बक्र अल-बगदादी को मार गिराया था। अमेरिकी विशेष बलों ने आतंकादियों के कब्जे वाले इदलिब प्रांत के छोटे से गांव अतमेह में दो घंटे तक अभियान चलाया। सीरियाई नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के एक समूह (जिसे पहले व्हाइट हेल्मेट्स के रूप में जाना जाता था) ने कहा कि इस अभियान में छह बच्चों और चार महिलाओं सहित 13 लोग मारे गए हैं। इस अभियान में दो मंजिली इमारत को काफी क्षति पहुंची। बाइडेन ने गुरुवार सुबह ट्वीट कर कहा,'' कल रात मेरे निर्देश पर अमेरिकी सैन्य बलों ने पश्चिमोत्तर सीरिया में अमेरिकी नागरिकों तथा हमारे सहयोगी देशों के नागरिकों की रक्षा करने तथा दुनिया को सुरक्षित जगह बनाने के लिए आतंकवादी रोधी अभियान चलाया।' उन्होंने कहा, ''हमारे सशस्त्र बलों के कौशल और बहादुरी के लिए उन्हें धन्यवाद, हमने आईएस के नेता अबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी को युद्ध के मैदान से हटा दिया है। सभी अमेरिकी अभियान के बाद सुरक्षित लौट आए।'

राहुल गांधी के बयान पर सहमत नहीं अमेरिका

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को लेकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला किया और कई गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अप्रभावी नीतियों के कारण चीन और पाकिस्तान पहले से कहीं ज्यादा करीब आ गए हैं। उनके इस बयान पर यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट स्पॉक्स नेड प्राइस ने कहा, मैं इसे पाकिस्तानियों और पीआरसी पर उनके संबंधों के बारे में बात करने के लिए छोड़ दूंगा। मैं निश्चित रूप से उन टिप्पणियों का समर्थन नहीं करूंगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुधवार को लोकसभा में सरकार पर लगाए गए आरोपों का विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने पलटवार किया। विदेश मंत्री ने ट्वीट कर कहा, लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा कि मौजूदा वक त में हमें गणतंत्र दिवस पर विदेशी मेहमान नहीं मिल सकता है। देशवासी जानते हैं कि हम कोरोना की नई लहर से जूझ रहे थे। देश में पांच मध्य एशियाई देशों के राष्ट्रपति आने वाले थे लेकिन कोरोना संकट के कारण ही उन्होंने 27 जनवरी को वर्चुअल माध्यम के जरिए शिखर सम्मेलन में भाग लिया। क्या लोकसभा में राहुल गांधी को ये बातें भूल गई थीं। विदेश मंत्री ने आगे कहा, राहुल गांधी ने लोकसभा में आरोप लगाया कि इस सरकार ने पाकिस्तान और चीन को एक साथ लाने का काम किया है। कांग्रेस नेता को इन घटनाओं को याद करना चाहिए। सन 1963 में पाकिस्तान ने अवैध रूप से शक्सगाम घाटी को चीन को सुपुर्द कर दिया। यही नहीं चीन ने ही 1970 के दशक में पीओके के रास्ते काराकोरम हाईवे का निर्माण किया था। उन्होंने यह भी कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच दोस्ती कोई नई नहीं है। दोनों देशों के बीच 1970 के दशक से घनिष्ठ परमाणु सहयोग था। साल 2013 में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा शुरू हुआ। राहुल को अपने आप से पूछना चाहिए कि क्या तब चीन और पाकिस्तान दूर थे? वहीं संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी को बोलने का मौका सिर्फ इसलिए मिल रहा है क्योंकि वे गांधी परिवार से हैं।

सीएम योगी ने गिनाईं अपनी सरकार की उपलब्धियां जनता से जो वादे किए सब पूरे किए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण की वोटिंग से ठीक पहले आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। सीएम योगी ने कहा कि पिछले दो साल से कोरोना वायरस महामारी सरकार के लिए चुनौती बनी हुई है। उन्होने कहा कि सरकार ने तुरंत और जरूरी कदम उठाकर कोरोना को बढ़ने से रोका है। अबतक राज्य में 70 फीसदी जनता को कोरोना की दोनों वैक्सीन लगाई जा चुकी हैं। कोरोना प्रबंधन के मामले में यूपी देश के लिए एक उदाहरण है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम योगी के साथ यूपी प्रभारी अनुराग ठाकुर और उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा भी मौजूद हैं। सीएम योगी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश के 40 लाख श्रमिक जो रोजी-रोटी के बाहर गए थे, उन्हें सकुशल लाने का प्रबंधन और उनके भरण-पोषण का पूरा ध्यान हमारी सरकार ने पहली कोरोना वेव में किया था।%% उन्होंने कहा, ''देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य यूपी ने कोविड प्रबंधन में सबसे बेहतरीन काम किया है। आज यहां शत प्रतिशत आबादी को पहली डोज़ मिल गई है। वहीं, 70 फीसदी से अधिक ने दूसरी डोज़ ले ली है।योगी ने आगे कहा, ''पांच साल पहले जनता से जो वादे किए थे, वो सब पूरे किए गए हैं। हमारी सरकार ने 5 साल के कार्यकाल में मील के पथर गढ़े हैं। कोरोना में उत्तर प्रदेश में 551 से अधिक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हुए हैं। थर्ड वेव को हम पूरी तरह नियंत्रित कर चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ''यूपी में प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हुई। आज प्रति व्यक्ति आय 94 हजार तक पहुंच गई है। कोविड के बावजूद बजट 6 लाख तक पहुंचा। निवेश के अच्छे गंतव्य के रूप में प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। आज प्रदेश इज़ ऑफ डूईंग बिजनेस में नम्बर दो पर है।

राज्यसभा में लंबे अरसे बाद बिना किसी हंगामे के हुई चर्चा उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने जताई खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बटज पेश करने के साथ ही बजट सत्र की शुरुआत हो गई। इससे पहले राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ। जिस पर 2 फरवरी को दोनों सदनों में चर्चा हुई। हालांकि काफी अरसे बाद संसद में बिना किसी हंगामे के चर्चा पूरी हुई और सदन सुचारू रूप से चला। इसे लेकर अब राज्यसभा चेयरमैन और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने भी खुशी जताई है। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि, काफी लंबे समय बाद कल राज्यसभा में बिना किसी हंगामे के कार्यवाही पूरी हुई। जिस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हुई, उसे देखकर काफी खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि यही भावना सत्र के आने वाले दिनों में भी दिखाई देगी। बता दें कि 2 फरवरी को राज्यसभा और लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हुई। बीजेपी सांसदों ने इसे काफी अच्छा और लोगों के हितों वाला बताया, वहीं विपक्ष ने कई मुद्दों को लेकर सरकार को जमकर घेरा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में सरकार को बढ़ती बेरोजगारी, भारत-चीन सीमा विवाद, गरीबी, किसान और ऐसे ही कई मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार ने असल मुद्दों को लेकर कुछ नहीं किया है। राहुल गांधी के अलावा राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सरकार पर ऐसे ही आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद लोगों से धोखा किया। खड़गे ने कहा कि, जब प्रधानमंत्री ने कहा था कि हर साल 2 करोड़ नौकरियां देंगे, तो वो नौकरियां कहां गई? अब बजट में कहा गया है कि अगले पांच साल में 60 लाख नौकरियां देंगे, ये लोगों के साथ धोखा है। आज (गुरुवार) भी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के लिए अलग-अलग राजनीतिक दलों के सांसद चर्चा में हिस्सा लेंगे। जिनमें बीजेपी से कामाख्या प्रसाद, जयप्रकाश निषाद, मुख्तार अब्बास नकवी हैं। वहीं कांग्रेस से दिग्विजय सिंह, रिपुण बोरा, अखिलेश प्रसाद सिंह, नासिर हुसैन और आनंद शर्मा चर्चा में हिस्सा लेंगे।

राहुल गांधी पंजाब में कांग्रेस के सीएम पद के चेहरे की घोषणा छह फरवरी कर सकते हैं : सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

पंजाब में कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही खींचतान को लेकर राहुल गांधी के पंजाब दौरे पर आ रहे है। राहुल छह फरवरी को राज्य के लिए अपना मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राहुल गांधी ने 27 जनवरी को पंजाब के अपने दौरे के दौरान घोषणा की थी कि कांग्रेस पंजाब विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री चेहरे के साथ उतरेगी और इस पर फैसला पार्टी कार्यकर्ताओं से सलाह के बाद लिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी अपने शक्ति ऐप के जरिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया ले रही है। पार्टी ने इस मुद्दे पर आम लोगों की राय भी मांगी है और यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों में शुरू हो गई है। सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी छह फरवरी को पंजाब का दौरा कर सकते हैं और महत्वपूर्ण घोषणा कर सकते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खुद को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित करने की बात कही है। प्रतीत होता है कि कांग्रेस चन्नी को तरजीह दे सकती है, जो अनुसूचित जाति समुदाय से हैं और उन्हें दो विधानसभा सीटों चमकौर साहिब और भदौड़ से मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की जगह चन्नी को चुनकर अनुसूचित जाति वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, इस समुदाय की पंजाब की आबादी में करीब एक तिहाई हिस्सेदारी है।

एक सप्ताह में 7 लाख कम हुए कोरोना के एक्टिव केस

- 1008 संक्रमितों की मौत हुई और 2,59,107 लोग रिकवर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में बीते दिन कोरोना संक्रमण के 1,72,433 नए मामले मिले। मंगलवार को तुलना में यह आंकड़ा 6.8 फीसदी ज्यादा है। बुधवार को 1008 संक्रमितों की मौत हुई और 2,59,107 लोग रिकवर हुए। इस समय रिकवरी रेट 95.14 फीसदी है। फिलहाल इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 15,33,921 है। बीते सप्ताह की शुरुआत में यह आंकड़ा 22 लाख के करीब था, जो अब 15 लाख के आसपास आ गया है। एक्टिव केस की दर 3.67 फीसदी है। डेली पॉजिटिविटी रेट 10.99 फीसदी है, वहीं वीकली पॉजिटिविटी रेट इससे थोड़ा ज्यादा 12.98 फीसदी पर है। बुधवार को 15,69,449 कोरोना टेस्ट हुए। पूरे देश में अब तक 73.41 कोविड टेस्ट हो चुके हैं। वहीं देश में कोरोना महामारी के खिलाफ वैक्सीनेशन कैंपेन जारी है। अब तक 167.87 करोड़ वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी हैं। राजस्थान में बुधवार को कोरोना के 8,428 नए मामले सामने आए थे, जबकि संक्रमण से 22 मरीजों मौत हो गई। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार शाम तक राज्य में कोरोना वायरस से संक्रमित 8,428 नए मरीज सामने आए हैं। नए मामलों में राजधानी जयपुर में 1944, जोधपुर में 599, गंगानगर में 509, उदयपुर में 433, अलवर में 390, अजमेर 380 और राजसमंद में 328 संक्रमित शामिल हैं। मध्य प्रदेश में बुधवार को कोरोना के 7,359 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 9,81,103 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में प्रदेश में छह लोगों की मौत इस बीमारी से हुई है। इसे मिलाकर राज्य में अब तक कुल 10,624 लोगों ने इस बीमारी से जान गंवाई है।